तापमान

अधिकतम 41.3 डिग्री

न्यूनतम 27.4 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, मंगलवार 21 मई 2024

किर्गिस्तान में हिंसा थमी, छग के चिकित्सा छात्रों ने ली राहत की सांस, पर लूट पर रोक नहीं, टैक्सी का किराया चार गुना, विरोध पर धक्का-मुक्की भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्थानीय और बाहरी लोगों के बीच विवाद के बाद किर्गिस्तान के बिश्केक में भड़की हिंसा को नियंत्रित कर लिया गया है। कड़ी सुरक्षा के बाद भी एहतियातन मेडिकल कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई जारी है। स्थानीय लोगों द्वारा लूट-खसोट की जा रही है और छात्रों को टैक्सी से लेकर शापिंग करने के दौरान ज्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं। किर्गिस्तान में हुई हिंसा के बाद फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एसोसिएशन द्वारा वहां पढ़ाई करने वाले छात्रों की खैर-खबर ली जा रही है।

अध्यक्ष डॉ. विनय वर्मा ने बताया कि नियमित तौर पर एफएमजी ग्रुप में छात्रों से जानकारी मांगी जा रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के करीब ढाई सौ छात्र वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं और उनके द्वारा रोजाना अपडेट भेजा जा रहा है। डॉ. वर्मा के मुताबिक छात्रों ने जानकारी दी है कि कड़ी सुरक्षा के बाद वहां हालात नियंत्रण में आ गए हैं, मगर वहां स्थानीय लोगों द्वारा बाहरी छात्रों से मनमानी वसूली की जा रही है। हास्टल से कालेज जाने के लिए उपयोग की जाने वाली टैक्सी का किराया चार गुना अधिक लिया जा रहा है। आवश्यक सामान की खरीदी करने के दौरान उनसे ज्यादा पैसे लिए जा रहे हैं और विरोध करने पर वे धक्का-मुक्की पर उतारू हो जाते हैं।

टैक्सी से लेकर शॉपिंग के दौरान स्थानीय लोग वसूल रहे ज्यादा पैसा

बाहर निकलने की अब अनुमति

इधर यूनाइटेड डाक्टर फ्रंट एसोसिएशन से जुड़े बिश्केक में मौजूद एक छात्र ने बताया कि सुरक्षा इंतजाम के बाद उन्होंने राहत की सांस ली है और अब निश्चिंत होकर अपनी पढ़ाई कर पा रहे हैं। कुछ दिनों पहले वे घर लौटने की सोच रहे थे, मगर अब पढ़ाई पूरी करने का मन बना चुके हैं। अब हास्टल से बाहर निकलने की अनुमति मिल रही है।

उच्च स्तर पर हुआ था हस्तक्षेप

छत्तीगढ़ समेत पूरे भारत से हर साल बड़ी संख्या में छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए किर्गिस्तान जाते हैं। घटना के दौरान वहां मौजूद भारतीय छात्रों की संख्या को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तर पर मामले में हस्तक्षेप किया गया था। छत्तीसगढ़ से भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें बेफिक्र रहने का आश्वासन दिया था।

खबर संक्षेप

किशोरी ने की खुदकुशी युवक फंदे पर लटका

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग मामले में एक किशोरी तथा एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। फांसी लगाने की वजह अज्ञात है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय वसुंधरा उर्फ वसु ने रविवार रात 9 बजे अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वहीं एक अन्य मामले में मुकेश साहू ने सोमवार सुबह अपने घर की छत में फांसी लगाकर खुदकुशी की है।

ऑटो पलटने से किशोरी की मौत

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में ऑटो पलटने से 13 वर्षीय किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अपराध दर्ज कर मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक ऑटो पलटने से खुशी मिरचे की मौत हुई है। खुशी अपने पिता के साथ ऑटो में सवार होकर जा रही थी, इसी दौरान पचेड़ा के पास ऑटो अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। हादसे के दौरान ऑटो में दबने से खुशी की मौके पर ही मौत हो गई।

जुआ खेलते 10 गिरफ्तार साढ़े 21 हजार जब्त

रायपुर। सिविल लाइंस पुलिस ने एक मकान में छापा मारकर जुआ खेलते 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से साढ़े 21 हजार रुपए नकद जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक जुआरियों को राजा तालाब, लकड़ी टाल के पास प्रेम सोनकर के मकान की छत में जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया है।

मैच में हार-जीत के विवाद पर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक 14 वर्षीय किशोर ने चार लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक बोरियाखुर्द निवासी किशोर ने समीर गावली, राजकुमार तथा उनके दो अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। किशोर ने पुलिस को बताया कि गोकुल नगर गार्डन में वे क्रिकेट मैच खेल रहे थे। दूसरे ग्रुप के लड़कों ने मैच हारने के बात को लेकर विवाद करते हुए किशोर के साथ मारपीट की।

अमानत में खयानत ट्रक डाइवर पर केस

रायपुर। विधानसभा थाने में ओडिशा की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मुंशी ने एक ट्रक ड्राइवर के खिलाफ अमानत में खयानत की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक पी. किशोर ने दिनबंधु घुटा के खिलाफ अमानत में खयानत करने की शिकायत दर्ज कराई है। पी. प्रकाश ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर ने ट्रक में लदे चार लाख रुपए कीमत का 10 टन से ज्यादा स्पंज आयरन किसी अन्य को बेच दिया। ओडिशा के ट्रांसपोर्टर ने ट्रक में सरिया सिलतरा स्थित एक फैक्ट्री के लिए भेजा था।

पुरानी बस्ती, ब्राह्मणपारा, रोहिणीपुरम, संतोषीनगर, लक्ष्मीनगर, रायपुरा, चंगोरा, डगनिया सेफ जोन में

पाताल में घुसा पानी

सड्डू, मोवा, टाटीबंध, भनपुरी, खमतराई और वीआईपी रोड में 800 से 1200 फीट तक जा पहुंचा भूजल स्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस बार की गर्मी में शहर से लगे आउटर इलाके मोवा, सड्डू, भनपुरी, खमतराई, उरला, सिलतरा, भनपुरी और वीआईपी रोड जहां भूजल स्तर 800 से 1200 फीट गहराई तक जा पहुंचा है। वहीं लाखेनगर, अश्विनीनगर, डगनिया, सुंदर नगर, रोहणीपुरम, रायपुरा, चंगोराभाठा, ब्राम्हणपारा, चौबे कालोनी, गीता नगर, संतोषी नगर, लक्ष्मीनगर,भाठागांव, सरोना जैसे पुराने इलाकों में खूब पानी है। वजह यहां बोरिंग कम है और खुली जगह भी बची है। वहीं जो कालोनियां नई बसी हैं और कंक्रीट का जाल सा बिछा है, वहां पानी पाताल में पहुंच गया है।

दरअसल, बारिश के पानी को सहेजने में कोताही का असर राजधानी में दिखने लगा है। कचना में जहां पहले 400 फीट की गहराई में पानी मिल जाता था, अब वहां भूजल स्तर 600 फीट गहराई में जा पहुंचा है। फाफाडीह, खमतराई, शिवानंद नगर, श्रीनगर, अनुपम नगर श्रीराम नगर फेज 1, फेज 2 राजीव नगर ऐसे रिहाइशी इलाके हैं, जहां भूजल स्तर 600 से 800 फीट तक चला गया है।

800 से 1200 वर्गफीट : उरला, सिलतरा, भनपुरी

600 से 800 वर्गफीट : वीआईपी रोड, सड्डू, मोवा, दलदल सिवनी, पंडरी, सिविल लाइन, गांधी उद्यान एरिया, सीएम हाउस इलाका, जल विहार, पंचशील नगर, श्यामनगर, आनंद नगर, सेजबहार, कचना, राजीव नगर, जीवन विहार, फाफाडीह, शंकर नगर के कुछ इलाके, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, कटोरातालाब, राजेन्द्र नगर, प्रियदर्शिनी नगर, लभांडी, फुंडहर, डूंडा, चंदनीडीह, अटारी। इसी तरह मुजगहन, खिलोरा कोलर में टयूबवेल ज्यादा होने से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है यहां 400 से 600 वर्गफीट की गहराई तक भूजल स्तर पहुंच गया है।

हरिभूमि सरोकार

खास बातें

- बूढ़ातालाब, तेलीबांधा और महाराजबंद तालाब क्षेत्र 400 से 800 फीट गहराई में भूजल
- तालाबों में गाद जमने से रीचार्ज पाइंट ब्लाक, कंक्रीटीकरण भी एक बड़ा कारण

सुरक्षित नहीं रहे शहर के प्राचीन सरोवर वाले इलाके

भूजल विशेषज्ञ विपिन दुबे का कहना है राजधानी में प्राचीन सरोवर वाले इलाके में जहां पहले भूजल स्तर की स्थिति काफी अच्छी मानी जाती थी, उन इलाकों में तालाब के संरक्षण व संवर्धन में कोताही की वजह से गाद की मोटी परत जमने से रीचार्ज पाइंट ब्लाक हो गये हैं। तालाब के आसपास जहां पहले मुरुम व मिट्टी की परत हुआ करती थी, उस जगह पर पक्के पेवर लगाकर कंक्रीटीकरण करने से भूजल स्तर तेजी से गिरा है। महाराज बंद तालाब, बूढ़ातालाब, कटोरातालाब और तेलीबांधा तालाब के आसपास 400 से 800 वर्गफीट नीचे भूजल जा पहुंचा है। संबंधित तालाबों में जलविद पत्थर अच्छी क्वालिटी का नहीं होने से बहुत कम पानी पत्थर के बीच पहुंच पा रहा है।

सेफ जोन में शहर के ये इलाके

शहर के दर्जनों पुराने रहवासी इलाके ग्राउंड वाटर लेवल के मामले में सुरक्षित जोन की श्रेणी में चिन्हांकित हैं। नगर निगम के पंजीकृत भूजल विशेषज्ञों के मुताबिक यहां 200 से 300 वर्गफीट खनन कराने से बोरवेल में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की स्थिति है। इन इलाकों में डगनिया, अश्विनी नगर, लाखेनगर, सुंदर नगर, रायपुरा, चंगोराभाठा , रोहणीपुरम, कंचन गंगा फेज 1, फेज 2, विनायक विहार,

⏭ शेष पेज 13 पर

पूर्व आईएएस अब तीन जून तक न्यायिक रिमांड पर जेल में रहेंगे

- आबकारी के पूर्व एमडी एपी त्रिपाठी की जमानत याचिका खारिज
- नया इसीआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही ईडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब घोटाला मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा की पीएमएलए कोर्ट ने न्यायिक रिमांड की अवधि 14 दिनों तक के लिए बढ़ा दी है। पूर्व आईएएस तीन जून तक न्यायिक रिमांड पर जेल में रहेंगे। इसके साथ ही शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू द्वारा गिरफ्तार किए गए आबकारी विभाग के पूर्व एमडी अमर पति त्रिपाठी का ईओडब्लू की विशेष अदालत ने जमानत आवेदन खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि एक माह पहले पूर्व आईएएस अनिल टूटेज को ईडी की टीम ने ईओडब्लू के ऑफिस के पास से गिरफ्तार किया था। रिमांड में लेकर पूछताछ करने के बाद ईडी ने पूर्व आईएएस को कोर्ट में पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने पूर्व आईएएस को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया, तब से लेकर वे अब तक न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में कथित तौर पर दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाला का मामला सुप्रीम कोर्ट में खारिज होने के दो दिन बाद ईडी 10 अप्रैल को नया इसीआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ईडी ने कहा- इलेक्ट्रॉनिक के साथ कई साक्ष्य मिले

ईडी के अफसरों के मुताबिक शराब घोटाला मामले की जांच के दौरान पूर्व आईएएस के पास से घोटाले को लेकर कई महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। इसके साथ ही ईडी की टीम ने टूटेजा के पास से कई डिजिटल डिवाइस मिलने का दावा किया है, जिनके डेटा को एस्ट्रेक्ट कर एनालिसिस किया जा रहा है। जल्द ही इस मामले में ईडी के अफसर अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी कर सकते हैं।

लोकसभा चुनाव मतगणना की तैयारी

कांकेर पहले और सरगुजा के नतीजे सबसे अंत में आएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद मतगणना की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के सभी 33 जिलों में मतगणना होगी। मतगणना के अनुसार कांकेर लोकसभा का परिणाम सबसे पहले और सरगुजा के नतीजे सबसे अंत में आने की संभावना है। निर्वाचन आयोग द्वारा सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र के डाक मतपत्र की गिनती संसदीय क्षेत्र मुख्यालय में एक ही स्थान पर की जाएगी। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से मतगणना होगी।

- प्रत्येक लोकसभा में शामिल विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से होगी मतगणना
- सभी 33 जिलों में होगी मतगणना

राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्य की 11 लोकसभा क्षेत्रों के लिए प्राप्त पोस्टल बैलेट की गिनती संसदीय क्षेत्र के मुख्यालय में होगी। सभी ईवीएम जिला मुख्यालयों में कड़ी सुरक्षा के बीच रखे गए हैं। मतगणना के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतगणना के लिए माइक्रो

⏭ शेष पेज 13 पर

इन अफसरों को दी जा रही ट्रेनिंग

मतगणना के लिए जिले के आरओ, डिप्टी डीईओ, एआरओ, एएआरओ, ईव्हीएम प्रभारी, पीबी नोडल, टेबुलेशन प्रभारी, सुरक्षा नोडल, टेक्निकल टीम, मास्टर ट्रेनर, डीआईओ एवं डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। 16 मई से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम को जिला और ब्लॉक स्तर पर किया जा रहा है। निर्वाचन के विभिन्न अधिकारियों को इसका जिम्मा दिया गया है।

तीन चरणों में हुआ था मतदान

राज्य की 11 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान हुआ है। पहले चरण में 19 अप्रैल को बस्तर संसदीय क्षेत्र के लिए वोट डाले गए थे। दूसरे चरण में 3 सीटों, कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद के लिए 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। बाकी बची 7 सीटों दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़ और अंबिकापुर के लिए 7 मई को वोट डाले गए थे।

सुरक्षा के साथ वेब कास्टिंग की व्यवस्था

लोकसभा चुनाव 4 जून को होने वाली मतगणना के संबंधी तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों को आयोग की ओर से दिए गए दिशा-निर्देशों का गंभीरता के साथ पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। मतगणना के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे साथ ही वेब कास्टिंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

बाकी बचे 240 अहातों की नीलामी 27 को, कलेक्टर करेंगे लाइसेंसधारियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में देशी और अंग्रेजी शराब दुकानों के पास बने ऐसे अहातों की नीलामी की प्रक्रिया फिर से शुरू की गई है, जो पिछली नीलामी में शामिल नहीं हो पाए थे या बोली लगाने के बाद भी बोलीदारों ने हाथ खींच लिए थे। बताया गया है कि प्रदेशभर के करीब सभी जिलों में 240 अहातों की नालीमी फिर से करने की तैयारी कर ली गई है। इनके लिए

⏭ शेष पेज 13 पर

- सरकार को मिलेंगे 100 करोड़ रुपए से अधिक

इन जिलों में बचे हैं अहाते

आबकारी विभाग के मुताबिक पहले दौर की नीलमी के बाद राज्य के अलग-अलग जिलों में शेष बचे अहातों की नीलामी की जा रही है। जिन जिलों में यह नीलामी होनी है उनमें रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, कबीरधाम, कांकेर, बीजापुर, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर

⏭ शेष पेज 13 पर

27 को कलेक्टर करेंगे लाइसेंसधारियों का चयन

बाकी बचे अहातों के संबंध में आबकारी आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि इसके लिए 24 मई शाम तक ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई है। इस अवधि में निविदा ऑनलाइन के माध्यम से ली जाएगी। ऑनलाइन पद्धति से प्राप्त निविदाओं में से अनुज्ञप्तिधारियों का चयन संबंधित जिलों के जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला कलेक्टर द्वारा 27 मई को सुबह 11 बजे से किया जाएगा।

कैशलेस होगी शराब की बिक्री, प्रीमियम के बाद अब देशी-विदेशी में सिस्टम होगा लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब की ओवर रेटिंग रोकने आबकारी विभाग ग्राहकों को ऑनलाइन भुगतान सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। शराब के शौकीन यूपीआई के माध्यम से फोन पे, गूगल पे तथा पेटीएम के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर शराब की खरीदी कर सकेंगे। ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की वजह शराब की ओवर रेटिंग को रोकना है। वर्तमान में शराब की ओवर रेटिंग रोकने ग्राहकों को बिल देने की व्यवस्था है, बावजूद इसके ओवर रेट में शराब बिक्री की शिकायतें सामने आते रहती हैं। इस वजह से ओवर रेटिंग रोकने शराब खरीदी की ऑनलाइन भुगतान करने व्यवस्था बनाई जा रही है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि जून के दूसरे

⏭ शेष पेज 13 पर

- जून के दूसरे सप्ताह के बाद ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था बनने की संभावना

पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले कुछ जिलों में यूपीआई से खरीदी की व्यवस्था

35 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब बिक्री

राज्य की शराब दुकान में एक दिन में औसतन 35 करोड़ रुपए की शराब बिक्री होती है। नकदी में शराब की बिक्री होने की वजह से प्लेसमेंट एजेंसी के लिए शराब की बिक्री रकम कलेक्शन करना एक बड़ी चुनौती साबित होती है। इसके साथ ही राज्य के अलग-अलग शहरों में शराब दुकान से लूट की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने के बाद प्लेसमेंट एजेंसी को शराब की रकम कलेक्शन करने से राहत मिलेगी।

बड़ा वर्ग कैशलेस ट्रांजेक्शन से जुड़ा

गौरतलब है कि वर्तमान में एक बड़ा वर्ग कैशलेस ट्रांजेक्शन सिस्टम से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में शराब को छोड़ अन्य खरीदी करने पर ज्यादातर लोग कैश देने के बजाय यूपीआई से भुगतान करते हैं। अफसरों का अनुमान है कि शराब दुकान में कैशलेस सिस्टम शुरू होने के बाद अंग्रेजी तथा प्रीमियम शराब दुकान में ज्यादातर लोग यूपीआई पेमेंट के माध्यम से शराब की खरीदी कर सकते हैं। आबकारी विभाग के अफसरों के मुताबिक पायलट प्रोजेक्ट के तहत राज्य के कुछ जिलों में प्रीमियम शराब दुकान में यूपीआई के माध्यम से शराब बिक्री की व्यवस्था शुरू की जाएगी।

लगातार बढ़ रही गर्मी, दो दिन विशेष सावधानी बरतने की हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लगातार बढ़ रही गर्मी अगले दो दिन तक अपना असर दिखाएगी। इसे लेकर मौसम विभाग द्वारा विशेष सावधानी बरतने का सर्कुलर जारी किया गया है। बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में इस दौरान तापमान 41 से 43 डिग्री के बीच रहने के आसार हैं, जिसे देखते हुए दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक घर अथवा दफ्तर में रहने की हिदायत दी गई है। 36-37 डिग्री के तापमान के बाद पिछले दो दिन से रायपुर समेत अधिकतर शहरों

⏭ शेष पेज 13 पर

- बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग में 41 से 43 डिग्री के बीच रहेगा तापमान
- मौसम विभाग का सर्कुलर, दोपहर 12 से 4 बजे तक घर पर रहें

यहां हुई बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे में कवर्धा, पेंड्रा, बस्तर में दो सेमी., कुनकुरी, पेंड्रा, तपकरा में एक सेमी. तथा अन्य इलाकों में हल्की बारिश हुई है। अगले चौबीस घंटे में भी वर्षा का असर बस्तर इलाके में अधिक होने के आसार हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

नक्सल मामले में भाजपा सरकार दिग्भ्रमित

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, नक्सल मामले में भाजपा की सरकार दिग्भ्रमित है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री का बयान आया है कि उनकी सरकार नक्सलियों के लिये नई पुनर्वास नीति लाने जा रही है। सरकार ने 5 महीने में कोई नक्सल नीति नहीं बनाई है। पूर्ववर्ती सरकार की नीति जो पूरी तरह से सफल थी, उसको भाजपा सरकार ने खारिज कर दिया है। पुरानी नीति खारिज करने के बाद अभी तक अपनी कोई नीति घोषित नहीं की है। सरकार पुनर्वास नीति लेकर आये, उसके पहले नक्सल नीति तो घोषित की जाये। जब नक्सल नीति घोषित करेंगे, तब पुनर्वास नीति बनेगी, यह उसका अंश है। अभी नक्सल नीति नहीं बनाई है और दावा कर रहे पुनर्वास नीति लेकर आयेंगे। अनिर्णय वाली इस स्थिति से इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

प्रतिनियुक्ति से लौटी ऋचा एसीएस वन

रायपुर। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटी आईएएस ऋचा शर्मा को राज्य सरकार ने अपर मुख्य सचिव (एसीएस) वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के रूप में पदस्थ किया है। अब तक यह दायित्व मनोज कुमार पिंगुआ के पास था। ऋचा शर्मा के पदभार ग्रहण करने के बाद श्री पिंगुआ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के दायित्व से मुक्त होंगे। उनके पास अपर मुख्य सचिव गृह, जेल, तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग का दायित्व बना रहेगा।

संक्रामक रोग की रोकथाम के लिए अभियान

रायपुर। नगर निगम के 70 वार्डो में बारिश से पूर्व संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए नगर निगम जागरूकता अभियान चलायेगा। निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने अधिकारियों को सभी वार्डों में संक्रामक रोगों की संभावनाओं को ध्यान में रखकर अभियान चलाने निर्देश दिये हैं। आयुक्त ने इसके लिए जोन कमिश्नरों को नोडल अधिकारी बनाया है। आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र के 70 वार्डो में स्थित निजी एवं सार्वजनिक कुओं में सप्ताह में दो बार ब्लीचिंग पावडर डालकर जल को कीटाणु रहित करने निर्देश दिये। जोन 7 कार्यालय में स्वच्छता कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण लिए कपड़े की थैलियों का वितरण स्मार्ट सिटी की ब्रांड एंबेसेडर शुभांगी आप्टे ने किया। इस मौके पर उन्होंने स्वच्छता कर्मचारियों को शपथ भी दिलवाई।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के संविदा कर्मियों को तीन माह से वेतन नहीं

रायपुर। प्रदेश में 403 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट स्कूलों में लगभग पांच हजार संविदा कर्मचारियों को विगत तीन माह से वेतन नहीं दिया जा रहा है, वहीं इन स्कूलों में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय कर्मचारियों को प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने नवपदस्थ संचालक दिव्या मिश्रा को पत्र लिखकर तत्काल राशि आवंटित करने की मांग की है। श्री पॉल ने बताया कि पांच हजार संविदा कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

गोल्डन टॉवर हॉल में फाउंडर्स डे आज

रायपुर। इंस्टीटूशन ऑफ वैल्यूअर्स द्वारा 21 मई को फाउंडर्स डे का आयोजन एनआईटी रायपुर स्थित गोल्डन टॉवर हॉल में शाम 5 बजे होगा। इसी दौरान वेबिनार में सामाजिक विषय पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद के प्रख्यात आर्किटेक्ट वैल्यूअर्स नितेश सचदेव वैल्यूएशन के ऊपर निगरानी विषय पर अपने विचार रखेंगे। इसी कड़ी में पुणे के प्रसिद्ध वैल्यूअर्स नितिन लेले भी वैल्यूएशन पर उपयोगी कानून के विषय पर संवाद करेंगे। कार्यक्रम इंस्टीटयूट ऑफ वैल्यूअर्स शाखा द्वारा वैल्यूएशन के संस्था के जनक पीसी गोयल के स्मृति में किया जाएगा।

दुर्गम इलाकों में डाक्टर नियुक्त करने सीआरएमसी योजना, प्रोत्साहन राशि ही देना भूला विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुर्गम और कठिनतम इलाकों में स्वास्थ्य सेवा की सुविधा बढ़ाने लाई कई सीआरएमसी योजना में डाक्टरों की नियुक्ति कर दी गई है, मगर उन्हें प्रोत्साहन राशि देना स्वास्थ्य विभाग भूल गया। करीब ढाई सौ डाक्टर तिमाही किस्त के रूप में मिलने वाले तीन से तीस हजार रुपए के इंटेसिव का इंतजार पिछले एक साल से कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ रूरल मेडिकल कोर योजना को संशोधित कर लागू किया गया था। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती सहित उन इलाकों में रहने वालों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना था, जहां डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ सेवा देने से कतराते थे। इसके लिए अलग से प्रोत्साहन राशि की घोषणा की गई थी। चिकित्सा विशेषज्ञ से लेकर नर्सिंग स्टाफ से लेकर एएनएम तक थी। योजना के तहत नियमित और बांडेड मिलाकर करीब ढाई सौ डाक्टर सेवा दे रहे हैं और उन्हें अपनी प्रोत्साहन राशि मिलने का इंतजार है। इस राशि का भुगतान जिला स्तर पर बीएमओ से लेकर सीएमएचओ तक विभिन्न प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रत्येक तीन माह में ऑनलाइन किया जाना था, मगर सीआरएमएसी चिकित्सकों को पिछले एक साल से इसका भुगतान नहीं किया गया है। चिकित्सक इस योजना की तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पाने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं।

छत्तीसगढ़ रूरल मेडिकल कोर योजना, लगभग ढाई सौ डाक्टर कर रहे काम

कलेक्टर से लेकर हेल्थ मिनिस्टर तक मिल चुके

चिकित्सकों ने बताया कि धमतरी, सूरजपुर, बलरामपुर, एमसीबी, सरगुजा, जशपुर, एमएमएसी, मुंगेली, बस्तर, कोरबा और जांजगीर-चांपा जिले के सीआरएमसी योजना के तहत दुर्गम इलाकों के स्वास्थ्य केंद्रों में ड्यूटी करने वाले डाक्टर इससे प्रभावित हैं। इस मामले में वे संबंधित जिलों के सीएमएचओ, कलेक्टर से मुलाकात कर चुके हैं, मगर समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

क्षेत्र में निवास और परफॉर्मेंस जरूरी

योजना के तहत प्रोत्साहन राशि का भुगतान चिकित्सकों के संबंधित स्वास्थ्य केंद्र वाले क्षेत्र में निवास करने और उपचार व्यवस्था में बेहतर फरफारमेंस के आधार पर किया जाता है। इसके लिए जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा तिमाही बैठक की जाती है। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें शेष सारी प्रक्रिया पूरी की जाती है, मगर उनके खाते में प्रोत्साहन राशि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है।

प्रशिक्षण स्थल में बनाया गया मतगणना हॉल का मॉडल

वोटों की काउंटिंग के लिए दी गई आरओ एआरओ सहित अन्य अधिकारियों को ट्रेनिंग

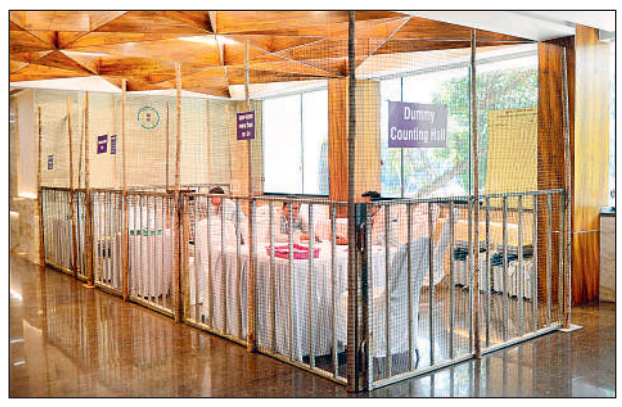

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले की लोकसभा चुनाव-2024 की मतगणना 4 जून को सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। इसके लिए सोमवार को न्यू सर्किट हाउस ऑडिटोरियम में प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया गया, जिसमें रायपुर जिले के 7 विधानसभा क्षेत्र के अलावा बलौदाबाजार-भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के आरओ, डिप्टी डीईओ, एआरओ, एएआरओ, ईव्हीएम प्रभारी, पीबी नोडल, टेबुलेशन प्रभारी, सुरक्षा नोडल, टेक्निकल टीम, मास्टर ट्रेनर, डीआईओ एवं डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारियों को मतगणना का प्रशिक्षण दिया गया।

मतगणना हाल का मॉडल बनाकर दिया गया प्रशिक्षण

ऑडिटोरियम स्थल पर अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए मतगणना हाल का मॉडल बनाया गया था। इसमें डाकमत पत्र गणना टेबल , ईवीएम का गणना टेबल एवं वीवीपैट काउंटिंग बूथ को दर्शाया गया है। मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षण के दौरान सभी अधिकारियों को डेमो दिखाते हुए मतों की गणना किस तरह से करना है और इस दौरान क्या-क्या सावधानी बरतनी है। इसकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षक में राज्य निर्वाचन आयोग से आए प्रशिक्षक गीता दीवान, विनय अग्रवाल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रुपेश कुमार वर्मा, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, विनोद अगलावे, सिस्टम मैनेजर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ ने मतगणना की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया।

मतगणना के हर राउंड में टेबुलेशन चार्ट में अभिकर्ता से लें हस्ताक्षर : गौरव सिंह

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह ने प्रशिक्षण कैंप को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान का कार्य जिस कुशलता से संपन्न कराया है वह ऐतिहासिक है। इसमें मतदान कर्मियों को ट्राली इत्यादि तथा मतदान केन्द्र में जो सुविधा दी गई, उसका सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। कलेक्टर ने कहा कि अब मतगणना होनी है, यह निर्वाचन का अंतिम और सबसे मुख्य हिस्सा है। इसे गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें। सबसे मुख्य बात यह है कि मतगणना के दौरान संयमित व्यवहार करें। राजनैतिक दलों के अभिकर्ता को स्पष्ट जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हर राउंड के बाद उनके टेबुलेशन चार्ट पर अवश्य हस्ताक्षर लें।

कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कैंप 22 से 24 तक

मतगणना ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को मतगणना के लिए प्रशिक्षण 22 से 24 मई को कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास भवन में दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कैंप जिला स्तर का होगा, जिसमें रायपुर जिले के वे कर्मचारी ही शामिल होंगे, जिनकी मतगणना में ड्यूटी लगी है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा छग से जीत रही सभी सीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वनमंत्री केदार कश्यप ने लोकसभा चुनावों के परिणाम को लेकर कहा, छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीट भारतीय जनता पार्टी जीत रही है। रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल प्रचंड मतों से जीत दर्ज करेंगे। यह सीट देश में सबसे ज्यादा वोटों से जीतने का रिकॉर्ड बनाने वालों की सूची में शामिल होगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी में चल रहे सर्वे को लेकर केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब खत्म होने की स्थिति में है। इनके पास नेताओं की भारी कमी है। उससे ज्यादा कमी गांधी परिवार के चरण चाटुकारों की है। इसीलिए गांधी परिवार की चरण वंदना करने वाले नेताओं का सर्वे कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है।

ओडिशा में भी इस बार भाजपा सरकार

वन मंत्री केदार कश्यप ओडिशा में लगातार जनसंपर्क और विजय संकल्प रैली की। चुनाव परिणाम भाजपा ले पक्ष में है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। वहीं राज्य में कांग्रेस मुकाबले में भी नहीं है, उसे पूछने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस पार्टी अपने आंतरिक कलह से निकल नहीं पाई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि ओडिशा में भाजपा की लहर है।

हताशा से उबर नहीं पा रही कांग्रेस

उन्होंने कांग्रेस नेत्री कुमारी शैलजा के नोटिस के मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनके करीबी व्यक्ति द्वारा छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को मानहानि के नोटिस मामले पर कहा, अरुण सिसोदिया ने भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नोटिस दिया था, उसका क्या हुआ? कांग्रेसी नेता अपने बुरे कर्मों की वजह चुनाव हार रहे हैं। इस हताशा से कांग्रेस पार्टी उबर नहीं पा रही है। उन्होंने कहा, जनता के साथ कांग्रेस ने गलत किया है, तो जनता सजा जरूर देगी।

गर्मी की छुट्टियों में बढ़ा सफर

सप्ताहभर में 24 हजार यात्री दूसरे शहर रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- घूमने-फिरने ठंडे प्रदेश की ओर, 158 बार टेकऑफ हुए एयरक्राफ्ट

गर्मी की छुट्टियों में घूमने-फिरने ठंडे प्रदेश की ओर लोगों के जाने का सिलसिला लगातार जारी है। बीते सप्ताह रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के जरिए 24 हजार से अधिक यात्री दूसरे शहर के लिए रवाना हुए। इस सप्ताह रायपुर से विभिन्न शहरों के लिए एयरक्राफ्ट 158 बार टेकऑफ हुए।

माना जा रहा है कि मई के बाद जून के पहले पखवाड़े में रायपुर एयरपोर्ट के माध्यम से यात्रियों का बड़ी संख्या में आना जाना रहेगा। अभी यात्रियों की संख्या बढ़ने की एकमात्र वजह गर्मी की छुट्टियों को माना जा रहा है। छुट्टी की वजह से लोग इस महीने घूमने-फिरने का मन बनाते हैं और उनके बीच ठंडा प्रदेश आकर्षण का केंद्र होता है। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी हुई है और मई के पहले सप्ताह में तो आवाजाही करने वाले यात्री पचास हजार के करीब पहुंच गए थे। इस बार यात्रियों की संख्या 47 हजार 235 रही, जिसमें से 24 हजार यात्री तो दूसरे शहरों के लिए रवाना हुए और 23228 यात्री रायपुर लौटे। पिछले सप्ताह की तुलना में इस बार एक फ्लाइट की आवाजाही कम हुई। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार अगले महीने से बारिश की गतिविधि शुरू हो जाएगी और स्कूल खुलने का दौर भी शुरू हो जाएगा, जिसके बाद सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में कमी आ जाएगी।

एनएसयूआई के कई गुटों ने अलग-अलग समय में दिया ज्ञापन

ऐसी गुटबाजी... किस्तों में सौंपा ज्ञापन बीकॉम रिजल्ट को लेकर थी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में सोमवार को दिनभर ज्ञापन सौंपने का दौर चलता रहा। ये ज्ञापन किसी अलग-अलग संगठनों द्वारा नहीं बल्कि एनएसयूआई के ही अलग-अलग छात्रों के समूहों द्वारा दिए गए। गौरतलब है कि एनएसयूआई में लंबे वक्त से गुटबाजी की खबरें सामने आ रही हैं। सोमवार को इसका उदाहरण भी देखने को मिला, जब एक ही संगठन से होने के बाद भी छात्रों ने एक साथ ज्ञापन सौंपने के स्थान पर पृथक-पृथक रूप से रविवि प्रबंधन के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। छात्रों के इन गुटों के शिकायत दर्ज करने के समय में कुछ ही मिनटों का अंतराल रहा। छात्रों के प्रदर्शन के इस तरीके से रविवि प्रबंधन भी हैरान नजर आया।

छात्रों के सभी गुटों के प्रदर्शन के दौरान विवि प्रबंधन में एहतियातन सुरक्षा बंदोस्त किए गए थे। आचार संहिता लागू होने के कारण छात्रों द्वारा केवल ज्ञापन ही सौंपा गया। किसी तरह का विरोध-प्रदर्शन अथवा नारेबाजी छात्रों द्वारा नहीं की गई। छात्रों के एक गुट ने जिला उपाध्यक्ष भोजराज चौहान के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा तो वहीं एक अन्य गुट द्वारा जिला महासचिव रजत ठाकुर की अगवाई में अपनी शिकायत रखी गई।

दोबारा जांची जाएं उत्तरपुस्तिकाएं

एनएसयूआई का आरोप है कि रविवि द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही बरती गई है। 16 मई को घोषित किए गए बीकॉम प्रथम वर्ष के परिणाम में 51 प्रतिशत छात्र अनुत्तीर्ण रहे हैं। सौंपे गए ज्ञापन में छात्रों ने कहा है कि जो परिणाम घोषित किए गए हैं, वे संतोषजनक नहीं हैं। आधे छात्रों को फेल कर दिया गया है। उनके साथ अन्याय होता हुआ सा प्रतीत हो रहा है। 30 छात्रों ने सूचना का अधिकार के अंतर्गत अपनी उत्तर पुस्तिका की सत्यापित प्रति प्राप्त करने के लिए आवेदन भी किया। छात्रों ने बीकॉम प्रथम वर्ष की उतरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए आग्रह किया है।

ऐसी कोई बात नहीं

संगठन में गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं है। छात्रों के पहुंचने के समय में पर्याप्त अंतर था। वे पृथक-पृथक महाविद्यालय के छात्रों का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे थे।

- शांतनु झा, जिलाध्यक्ष, एनएसयूआई

राज्य में हत्या, हत्या की कोशिश से तीन गुना से ज्यादा मामले रोड एक्सीडेंट के

सड़क दुर्घटना की मैकेनिज्म जानकारी जिम्मेदारों को ऑनालाइन मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रोड एक्सीडेंट वाहन चालकों की लापरवाही की वजह से होती है, इसके साथ ही रोड एक्सीडेंट के और कई कारण होते हैं। एक्सीडेंट की घटना घटित होने के बाद डॉक्टरों की जिम्मेदारी से लेकर पुलिस की विवेचना तक महत्वपूर्ण होती है। एक्सीडेंट के कारण से लेकर पुलिस की विवेचना, चिकित्सकों की सतर्कता से लेकर रोड मैकेनिज्म का इंटिग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (ई-रेड) का इलेक्ट्रानिक डिटेल एक्सीडेंट रिपोर्ट (ई-डार) तैयार कर मौके से ही केंद्रीय मंत्रालय के साथ राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा। इसे लेकर यातायात थाना में विवचकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन एसएसपी संतोष सिंह के निर्देश में किया गया, जिसमें जिले से सभी थानों के 87 विवेचक शामिल हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता अंतर्विभागीय लीड एजेंसी के अध्यक्ष एआईजी संजय शर्मा ने की। कार्यशाला में ई-रेड, ई-डार के स्टेट रोल आउट मैनेजर सारंशा सिरके के साथ एएसपी ट्रैफिक ओम प्रकाश शर्मा सहित ट्रैफिक पुलिस के अफसर शामिल हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे संजय शर्मा के मुताबिक केंद्रीय मंत्रालय द्वारा एप विकसित करने का उद्देश्य एक्सीडेंट होने पर घटना स्थल पहुंचकर विश्लेषण कर एप में जुड़े परिवहन, पुलिस, सड़क निर्माण एजेंसी एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, नगर पालिक निगम एवं स्वास्थ्य विभाग को एक साथ जानकारी साझा करना है।

ऐसे करेंगे एप का उपयोग

एक्सीडेंट होने पर विवेचक घटनास्थल पहुंचकर एप के माध्यम से आवश्यक जानकारी ऑनलाइन प्रविष्ट करेगा तथा घटनास्थल का फोटो एवं विडियो अपलोड करेगा। दुर्घटना का वास्तविक कारण जो मौके पर पता चलता है, उसमें यदि सड़क इंजीनियरिंग खामियों के कारण दुर्घटना हुई है, जिसमें सुधार की आवश्यकता हो तो थाना प्रभारी के माध्यम से सड़क प्राधिकार एजेंसी को ई-रेड, ई-डार एप से ही रिक्वेस्ट भेजेगा। इसके बाद संबंधित एजेंसी घटनास्थल पहुंचकर मुआयना करेगी तथा दुर्घटना रोकने उपाय करेगी।

राज्य से लेकर केंद्र स्तर पर की जाएगी मॉनिटरिंग

एक्सीडेंट को लेकर एप में जो डेटा अपलोड किया जाएगा, उस डेटा का राज्य से लेकर केंद्र स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही एक्सीडेंट का विश्लेषण कर सड़क दुर्घटना नियंत्रण के लिए कार्ययोजना तैयार कर राज्यों को निर्देशित करने की व्यवस्था की गई है। सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को उपचार के लिए तत्काल हास्पिटल पहुंचाने की आवश्यकता होती है, जिसके कारण कई मामलों में संबंधित थाना को सूचना प्राप्त नही हो पाती। ऐसी स्थिति में हास्पिटल में चिकित्सकों की जिम्मेदारी तय की गयी है।

फर्जी बीमा क्लेम पर अंकुश

ई-रेड, ई-डार में सड़क दुर्घटना प्रकरणों की जानकारी वाहन के संबंधित बीमा कंपनी एवं दावा अभिकरण को भी प्रेषित किये जाने का प्रावधान है, जिससे पीड़ितों को क्षतिपूर्ति का मुआवजा प्रदाय करने की कार्यवाही जल्द की जा सके। थानों के इस एप के माध्यम से दुर्घटना प्रकरणों की जानकारी बीमा कंपनी तथा दावा अभिकरण को भेजे जाने पर दुर्घटना की वास्तविक जानकारी हो पाएगी। इससे दुर्घटना के फर्जी दावों पर अंकुश लगेगा।

इस अपराध से तीन गुना ज्यादा मौत रोड एक्सीडेंट में

गौरतलब है कि रायपुर जिले में वर्ष 2023 में हत्या तथा गैर इरादतन हत्या के कुल 155 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि वर्ष 2023 में रोड एक्सीडेंट में 507 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। हत्या तथा गैर इरादतन हत्या के मामलों में पुलिस गंभीरता से जांच कर आरोपियों को जेल भेजने का काम करती है, वहीं रोड एक्सीडेंट के मामले में विवेचना के अभाव में मृतक के परिजनों का न्याय नहीं मिल पाता।

खबर संक्षेप

राहगीरों को बांटा छाछ और शर्बत

रायपुर। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा तेज धूप से राहत पहुंचाने सोमवार को राहगीरों को छाछ सहित ऑर्गेनिक शर्बत का वितरण किया गया। रायपुर चैप्टर महिला समिति ने राहगीरों को शर्बत पिलाकर नर सेवा ही नारायण सेवा का संदेश दिया। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में त्रिवेणी अग्रवाल, कांता सिंघानिया, सरिता रेखानी, शैल, राजश्री, गौरी, कल्पना, रितु खंडेलवाल, शुभांगी, पूजा छाबरा, मधु सिंघी, धर्मशिला, बॉबी जैन मौजूद रहीं, जिन्होंने सेवा देकर निरंतर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की रणनीति भी बनाई।

रेलवे स्टेशन पर निशुल्क जल सेवा

रायपुर। भीषण गर्मी आते ही स्टेशनों पर पानी की मांग बढ़ जाती है। यात्रियों के लिए पीने के पानी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी 51 द्वारा निशुल्क जल सेवा का कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा स्टेशन के प्लेटफार्म पर ट्रेन आते ही यात्रियों को जनरल बोगी एवं स्लीपर में ठंडा पानी पिलाने एवं खाली बोतल में ठंडा पानी भरने, स्टेशन में भी यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य किया जा रहा है । रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों में कोई भी यात्री प्यासा न रहे, रेल सफर की थकान और गर्मी के मौसम से बेहाल यात्रियों को ठंडा पानी निशुल्क उपलब्ध करना ही संस्था का उद्देश्य है। सेवा कार्य में माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी 51 के समाजसेवी उपस्थित होकर सेवा कार्य किए।

जल आपूर्ति में लो प्रेशर की समस्या दूर करने सप्ताहभर की मियाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमृत मिशन से संबंधित पाइप लाइन में वार्ड पार्षदों द्वारा बताए गये पाइंट्स पर लो प्रेशर की समस्या दूर करने महापौर एजाज ढेबर ने अधिकारियों को एक सप्ताह की मियाद दी है। सोमवार को फिल्टर प्लांट में समीक्षा बैठक लेकर श्री ढेबर ने फिल्टर प्लांट के 100 से अधिक सभी वाल्वों के समुचित संधारण के निर्देश दिये। इसके साथ ही हाउसिंग बोर्ड, रायपुर विकास प्राधिकरण की कालोनियों में की जा रही पेयजल आपूर्ति पर जलकर वसूली की जानकारी भी मांगी।

- फिल्टर प्लांट में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

शहर में अमृत मिशन के तहत अलग-अलग वार्डों में बिछाई गई पाइप लाइन से लो प्रेशर के साथ जल आपूर्ति की शिकायत को निगम प्रशासन ने संज्ञान में लिया है। महापौर एजाज ढेबर ने फिल्टर प्लांट के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेन्द्र से कहा है कि अमृत मिशन के अधिकारियों के साथ समन्वय कर इस समस्या का समाधान जल्द करें। इसके साथ ही शहर के रामनगर, तेलीबांधा, खमतराई और खम्हारडीह पानी टंकी में जलभराव पर्याप्त क्षमता के साथ किये जाने निर्देश दिये।

महापौर एजाज ढेबर ने जल विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

45 पानी टंकियों के अलावा कहां-कहां जा रहा पानी?

महापौर एजाज ढेबर ने बैठक में अधिकारियों से पूछा कि नगर निगम क्षेत्र की 45 पानी टंकियों के अतिरिक्त शहर में कहां-कहां पीने का पानी दिया जा रहा है, जल शुल्क के भुगतान की स्थिति क्या है? फिल्टर प्लांट के अधिकारी ने उन्हें बताया कि रायपुर विकास प्राधिकरण के कौशिल्या विहार में 12 एमएलडी पेयजल की आपूर्ति नगरनिगम आरडीए के 5 संपवेल में कर रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की बोरियाखुर्द स्थित कालोनी, परसुलीडीह की हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कालोनी में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। छत्तीसगढ़ विधानसभा, सरोना के अलावा महालेखाकार कार्यालय में पेयजल आपूर्ति नियम अनुसार की जा रही है।

बोरवेल खनन की मांगी जानकारी

बैठक के दौरान महापौर एजाज ढेबर ने पेयजल संकट प्रभावित इलाकों में बोरवेल खनन से संबंधित कार्यों को जल्द पूरा कराने निर्देश दिये। श्री ढेबर ने एलम और फिटकिरी की फिल्टर प्लांट में उपलब्धता के संबंध में कार्यपालन अभियंता से जानकारी ली। इस दौरान एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि राधेश्याम विभार उपस्थित रहे।

मास्टर प्लान-2031 में थोक में गड़बड़ी दोबारा दावा-आपत्ति मंगाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व कांग्रेस शासन काल में राजधानी के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग रायपुर ने वर्ष 2031 के लिए जो मास्टर प्लान लागू किया है, उनमें थोक में गड़बड़ियां पाई गई हैं। यह गड़बड़ी शासन स्तर पर बनाई गई कमेटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर शासन अब दोबारा दावा-आपत्तियां मंगाने की तैयारी में है। यह दावा-आपत्ति सिर्फ उन्हीं प्रकरणों के लिए मंगाई जाएंगी, जिनमें गड़बड़ी मिली हैं। इसके बाद दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा, जिसके बाद संशोधित मास्टर प्लान लागू होगा।

- मास्टर प्लान तैयार करने में हुई गड़बड़ियों की जांच के लिए शासन ने बनाई कमेटी

राजधानी रायपुर में वर्ष 2031 तक 30 लाख जनसंख्या होने का आकलन करने के साथ भविष्य में लोगों की जरूरत और सुविधाओं को देखते हुए ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट पर आधारित मास्टर प्लान बनाया गया है। इसके तहत रायपुर जिले की चारों दिशाओं के इलाकों को विकसित कर सर्व सुविधायुक्त बनाया जाना है, ताकि भविष्य में अनुमानित जनसंख्या के कारण राजधानी के चारों दिशा में लोगों को सड़क, बसस्टैंड, अस्पताल, स्कूल, खेल मैदान, मनोरंजन की सुविधा आसानी से मिल सके। इस नये प्लान को तैयार करने के बाद टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने दावा-आपत्तियां मंगाई गई थी, ताकि नये प्लान की खामियां को दूर किया जा सके।

इस तरह की गड़बड़ियां मिलीं

सूत्रों के अनुसार कमेटी की प्रारंभिक जांच में नये मास्टर प्लान में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई है। इसमें कहीं जलाशय की जगह को आवासीय घोषित कर दिया गया है, तो कहीं आवासीय क्षेत्र को जलाशय क्षेत्र के रूप में दर्शा दिया गया है। इसके अलावा कई जमीनों को आवासीय की जगह अमोद-प्रमोद में तो कहीं कृषि भूमि को मिश्रित एवं व्यवसायिक क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इसके अलावा वर्ष 2011 में वर्ष 2021 के लिए बनाए गए मास्टर प्लान में कई सड़कों की चौड़ाई को भी नये मास्टर प्लान में घटा दिया गया है। कहीं-कहीं तो जहां सड़क की जरूरत नहीं है, वहां भी सड़क बनाए जाने का प्रस्ताव नये प्लान में शामिल कर लिया गया है। इसके अलावा भी अन्य कई गड़बड़ियां भी पाई गई है। सूत्रों के अनुसार यह गड़बड़ियां करीब डेढ़ से दो की संख्या में है।

1432 दावा-आपत्तियों में महज 463 का निराकरण

नये मास्टर प्लान में कई खामियां थी, जिसके कारण कुल 1432 दावा-आपत्तियां भी आई थी। इन दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के लिए कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास भवन में ड्रामा स्वरूप जनसुनवाई भी की गई थी। यह जनसुनवाई तात्कालीन कलेक्टर सर्वेश्वर भुरे, विधायक विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संयुक्त संचालक संदीप बांगड़े सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में हुई थी। इस जनसुनवाई में दावा-आपत्ति करने वाले लोग भी सैकड़ों की संख्या में पहुंचे थे। इन लोगों की जनसुनवाई के दौरान बातें सुने बिना ही उन्हें आश्वासन देकर वापस लौटा दिया गया था। इसके बाद शासन स्तर पर करीब 463 आपत्तियों का निराकरण कर नये मास्टर प्लान को लागू कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार जिन आपत्तियों का निराकरण हुआ था, उनमें ज्यादातर रसूखदारों एवं बिल्डरों की आपत्तियां थी। इस जनसुनवाई में भाजपा के विधायक बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद थे। उन्होंने इस दौरान मीडिया को एक बयान भी दिया था, जिसमें उन्होंने मास्टर प्लान 2031 को मैनेज प्लान बताते हुए कहा था कि नये प्लान में जिसने मैनेज किया उसे भूमि को मनचाहा उपयोग के रूप में दे दिया और जिसने मैनेज नहीं किया उसकी भूमि को मानचित्र में किसी भी दूसरे उपयोग के लिए दर्शा दिया गया है।

जमीन खरीदने के बाद जरूरत के अनुसार भी कर दिए लैंड यूज चेंज

नये मास्टर प्लान में 106 गांवों को शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार नये मास्टर प्लान में ऐसी भी गड़बड़ी की गई है, जिसमें कुछ बड़े लोगों ने पहले से जमीन ले ली है। जमीन लेने के बाद मास्टर प्लान में उस क्षेत्र का लैंड यूज अपने जरूरत के अनुसार चेंज करा लिए हैं।

दो पार्ट में तैयार

नये मास्टर प्लान को दो पार्ट में तैयार किया है। पहला पार्ट 2023 से 25 और दूसरा पार्ट 2026 से 31 तक के लिए लागू किया जाएगा। पहला पार्ट पूरा होने के बाद ही दूसरे पार्ट के प्लान को धरातल में लाने की प्रक्रिया की जाएगी।

जांच में मिली कई गड़बड़ियां

मास्टर प्लान 2031 में हुई गड़बड़ियों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। प्रारंभिक जांच में कई गड़बड़ियां मिली है, जिनका निराकरण से पहले इनके लिए फिर से 10 से 15 जून के बीच दावा-आपत्तियां मंगाई जाएंगी। दावा-आपत्तियों आने के बाद सुनवाई के पश्चात उनका निराकरण कर संशोधित मास्टर प्लान लागू किया जाएगा।

- **सौरभ कुमार,** डायरेक्टर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग

15 एकड़ अवैध प्लाटिंग पर गरजा तोड़ूदस्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम मुख्यालय उड़नदस्ता और जोन की नगर निवेश टीम ने सोमवार को 4 अ ल ग - अ ल ग जोन क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग पर नकेल कसने कार्रवाई की। इस दौरान सरोना, देवपुरी के कृष्णापुरी, हीरापुर-जरवाय और गोंदवारा क्षेत्र में निजी जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के डीपीसी और अवैध मुरुम रोड को मशीन से काटकर आवागमन बाधित किया।

- डीपीसी और अवैध मुरुम रोड को मशीन से काटा

नगर निगम क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर निगम प्रशासन की कार्रवाई दूसरे सप्ताह भी जारी है। सोमवार को जोन 1 की नगर निवेश टीम ने गोंदवारा में करीब 3 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर अवैध मुरुम रोड को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाई। जोन के नगर निवेश विभाग के माध्यम से रायपुर तहसीलदार को पत्र लिखकर निजी भूमि के भूमि स्वामियों की जानकारी जल्द उपलब्ध कराने कहा गया है।

इसी तरह नगर निगम जोन 8 की टीम ने संत रविदास वार्ड के सरोना क्षेत्र में नाला के समीप आधा एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के लिए बनाई गई डीपीसी को काटने की कार्रवाई की।

हीरापुर-जरवाय में अवैध प्लाटिंग पर लगाई रोक

निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम मुख्यालय उड़नदस्ता और जोन 8 नगर निवेश टीम ने वीर सावकर नगर वार्ड के हीरापुर जरवाय में करीब 5 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए रोक लगाई। जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव के नेतृत्व और कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता, नगर निवेश सहायक अभियंता ईश्वरलाल टावरे की उपस्थिति में थ्रीडी मशीन और मजदूरों की सहायता से अवैध प्लाटिंग कर्ता द्वारा बनाई गई अवैध मुरुम रोड को थ्रीडी से काटा गया।

पेज 11 के शेष ...

सेफ जोन में शहर...

सत्यमविहार, चौबे कालोनी, गीता नगर, संतोषी नगर, लक्ष्मीनगर, प्रोफेसर कालोनी के कुछ हिस्से, कुकरी पारा , नया बसस्टैंड एरिया, संतोषीनगर, भाठागांव, टैगोर नगर, पुरानी बस्ती, ब्राम्हणपारा, कंकाली पारा, तात्यापारा।

कैशलेस होगी शराब...

सप्ताह तक कैशलेस शराब खरीदी की व्यवस्था शुरू हो सकती है। उल्लेखनीय है कि प्रीमियम शराब दुकान में वर्तमान में डेबिट कार्ड से शराब खरीदी करने की व्यवस्था है, पर अंग्रेजी के साथ देशी शराब दुकान में कैश के माध्यम से शराब खरीदने की व्यवस्था है। कैश में शराब खरीदने की व्यवस्था होने की वजह से ओवर रेटिंग के साथ चिल्हर की समस्या आती है। चिल्हर की समस्या आने पर शराब दुकान के सेल्समैन ग्राहकों को चिल्हर भुगतान नहीं करते। कैशलेस शराब खरीदने की व्यवस्था शुरू होने के बाद शराब दुकानों में चिल्हर की समस्या भी समाप्त की जा सकती है।

छह सौ के करीब दुकान संचालित : राज्य में वर्तमान में छह सौ के करीब शराब दुकान संचालित की जा रही हैं। विभागीय अफसरों के अनुसार सभी शराब दुकानों के लिए एसबीआई में बैंक अकाउंट खुलवाए जाएंगे। इसके बाद कैशलेस शराब की बिक्री संभव हो पाएगी।

बाकी बचे 240 अहातों...

24 मई तक ऑनलाइन माध्यम से निविदा ली जाएगी। राज्य में देशी और अंग्रेजी शराब दुकानों के पास बने अहाते शराब खरीदने वालों को पीने की सुविधा देने के लिए अहातों की पहली बार ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। इससे सरकार को सौ करोड़ से अधिक राजस्व मिलने वाला है। सरकार ने कुछ दिनों पहले अहातों की नीलामी की थी, लेकिन कई जिलों में जिन लोगों ने बोली लगाई थी, बाद में वे पीछे हट गए। कुछ जिलों में अहातों की नीलामी नहीं हो पाई थी। अब सरकार बचे हुए 240 अहातों की ऑनलाइन नीलामी करने की तैयारी कर रही है।

इन जिलों में...

चांपा, रायगढ़, जशपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार भाटापारा, बालोद, मुंगेली, बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, कोंडागांव, सुकमा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान- गंडई, मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकी शामिल है।

कांकेर पहले और...

आब्जर्वर की देखरेख में पूरा कार्य रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अफसरों के माध्यम से पूरा कराया जाएगा। निर्वाचन हर लोकसभा के विधानसभाओं के आधार पर 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। इसके साथ ही सभी विधानसभाओं में 60 कर्मचारियों की ड्यूटी लगेगी। यहां 7 काउंटिंग अफसरों के साथ सहायक रिटर्निंग अधिकारी और माइक्रो आब्जर्वर मौजूद रहेंगे। सभी जिलों में डाक मतपत्रों की गिनती पहले होगी। डाक मतपत्रों की गिनती के लिए 110 सहायक रिटर्निंग अफसर लगाए जाएंगे। मतगणना में कुल 1302 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

लगातार बढ़ रही...

में चालीस डिग्री से अधिक की गर्मी पड़ रही है। अगले दो दिन तक इसमें और वृद्धि होने के आसार हैं, जिसकी वजह से मौसम विभाग द्वारा विशेष सावधानी बरतने के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने छत्तीसगढ़ शासन के राहत आयुक्त को सूचना दी है कि अगले दो दिन तक रायपुर सहित तीन संभाग में तापमान में और वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी वजह से गर्मी का प्रभाव और अधिक हो सकता है। तापमान बढ़ने से स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो सकता है, इसलिए दोपहर खासकर 12 से शाम चार बजे तक विशेष सावधानी बरतने और आवश्यक कार्य नहीं होने पर घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह लोगों को दी गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक सोमवार को रायगढ़ का अधिकतम तापमान 42.8 तक पहुंच गया, जिसमें और बढ़ोतरी होने से लू जैसे हालात बनने की संभावना है। इसके साथ ही आने वाली नमी युक्त हवा के प्रभाव से कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना भी बनी हुई है।

जगदलपुर को छोड़ चालीस पार : लगातार बारिश की गतिविधि बनी रहने की वजह से जगदलपुर का तापमान 35-36 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सोमवार को जगदलपुर को छोड़कर शेष सभी इलाकों का तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया है।

शादी तय नहीं होने से नाराज सनकी पति ने पत्नी और बेटी को मार डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खरोरा थाना क्षेत्र के घेवरा गांव में एक नशेड़ी, सनकी पति ने बड़ी बेटी की शादी होने के बाद छोटी बेटी की शादी तय नहीं होने से नाराज होकर अपनी पत्नी तथा बेटी की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी। आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना सोमवार दोपहर की है।

- घटना खरोरा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर की

पुलिस के मुताबिक योगेश वर्मा को अपनी पत्नी जानकी तथा बेटी आरती की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार योगेश आदतन नशेड़ी होने के साथ सनकी मिजाज का था, वह अपनी पत्नी पर

शंका करता था। इस वजह से योगेश का अपनी पत्नी के साथ आए दिन विवाद होता था। घटना दिनांक को योगेश ने अपनी पत्नी पर आरती की शादी तय नहीं होने देने का कारण मानते हुए विवाद किया। पति, पत्नी के बीच विवाद इतना गहरा गया कि योगेश अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने लगा।

इसी दौरान बीच बचाव करने मौके पर आरती पहुंची, तो योगेश ने घर में रखे कुल्हाड़ी से दोनों पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। भागने की कोशिश कर रहे योगेश को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

दो बेटियों की एक साथ शादी करना चाहता था

पुलिस के अनुसार योगेश अपनी बड़ी बेटी के साथ छोटी बेटी की शादी करने चाहता था। बड़ी बेटी की शादी तय होने के बाद उसकी तृतीया को योगेश ने शादी की। बड़ी बेटी की विवाह होने के बाद छोटी बेटी की शादी नहीं होने से योगेश तनाव में रहता था। इस बात को लेकर योगेश का अपनी पत्नी के साथ विवाद होने लगा। इसी विवाद के चलते योगेश ने अपनी पत्नी तथा बेटी को मौत के घाट उतार दिया।

-: आम सूचना :-

(मौजा ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 114 नया प.ह.नं. 69 रा.नि.मं. रायपुर, 11 टिकरापारा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित जिसका खसरा नंबर 212/1 रकबा - 1031 वर्गफुट भूमि है के संबंध में।)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री अविनाश मिश्रा पिता श्री आर.एस. मिश्रा निवासी पचपेडी नाका रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.) के भूमिस्वामी हक एवं आधिपत्य की भूमि जो कि मौजा ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 114 नया प.ह.नं. 69 रा.नि.मं. रायपुर 11 टिकरापारा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित जिसका खसरा नंबर 212/1 रकबा 1031 वर्गफुट भूमि है। को क्रय करने हेतु पक्का सौदा तय कर अग्रिम ब्याना राशि का भुगतान किया जा चूका है मात्र बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, कृषि वित्तीय, निकाय, अर्द्धशासकीय शासकीय को उपरोक्त भूमि के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी उजर दावा या आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित आपत्ति 07 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा एवं अवैध व शुन्य माना जावेगा। तथा मेरे पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय प्रतिफल की संपूर्ण राशि भूमि स्वामीगणो को अदा कर अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन की कार्यवाही कराने के लिए स्वतंत्र रहेगा। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.
दिनांक : 18/05/2024

एन. के. पटेल, आशीष तिवारी
(अधिवक्तागण)
हरिभूमि प्रेस के पीछे छत्तीसगढ नगर
टिकरापारा रायपुर छ.ग.
मो.नं. 094255-10595

कार्यालय रा.नि.मं. रायपुर-08 शंकरनगर, तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 15.05.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेश धोतरे पिता एन.डी. धोतरे निवासी शंकरनगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम ..... प.ह.नं. .... राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-08 (शंकरनगर) स्थित भूमि खसरा नंबर 1185/12 रकबा क्रमशः 0.0870 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 23.04.2024 के परिपालन में दिनांक 30.05.2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 63 के खम्हारडीह स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-08 शंकरनगर
जिला रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर -16 तहसील व जिला रायपुर स्थल जांच सूचना

दिनांक 16/05/2024

प्रति,
1. खोरबाहरा उर्फ लिलक राम सिंह ठाकुर
2. घसिया उर्फ रामचरण सिंह ठाकुर
3. नेतराम सिंह ठाकुर
4. नारायण सिंह ठाकुर सभी पिसराल स्व. बिसाहू राम ठाकुर,
5. हेमचंद सिंह ठाकुर सभी निवासी ग्राम टेकारी

विषय- न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के रा.प्र.क्र. 202203111700019/अ-6/2021-22 निवासी द्वारा आवेदित ग्राम परसुलीडीह प.ह.नं. 23 रा.नि.मं. रायपुर-16 स्थित भूमि खसरा नंबर 290/3, 290/4, 290/5, 290/6, 290/7, 290/31 तथा 290/32 के स्थल जाँच बटांकन में उपस्थित होने के संबंध में।

संदर्भ- न्यायालय अति. तहसीलदार धरसींवा के सीमांकन आदेश/ज्ञापन क्र. 658वां/अति. तह./ 2024 धरसींवा दिनांक 28/02/2024 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का स्थल जांच न्यायालय अति. तहसीलदार धरसींवा के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में दिनांक 24/05/2024 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 11.00 बजे से मेरे द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है।

क्योंकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/बटांकन धारी है। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 23 के बरौदा स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभाषक/वैद्य अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबंधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरूप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

सूचनोपरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी स्थल जांच कार्य किया जावेगा एवं पश्चात् की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर-16 (सारागांव)

खबर संक्षेप

छग की योग टीम ने नेपाल में जीता गोल्ड मेडल, सीएम ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली छत्तीसगढ़ की योग टीम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग टीम के गोल्ड मेडल हासिल करना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, उन्होंने टीम के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दीं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने भी छत्तीसगढ़ की योग टीम की प्रदर्शन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि इस महीने 9 से 12 मई तक नेपाल में आयोजित हुए इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में छत्तीसगढ़ के 10 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में टीम को गोल्ड मेडल से नवाजा गया है। इस टीम के कोच ज्योति दीपक कुंभारे हैं। योगा टीम में दिव्या जैन, प्रीत साव, पुष्पा साव, धमेश, छाया जैन, हेमलता, हर्षा, क्षमता शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर 31 को कार्यक्रम

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस 31 मई जनसामान्य में धुम्रपान और तंबाकू सेवन करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य धूम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति समाज में जनचेतना विकसित करना है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के समस्त जिलों में अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर नशामुक्ति के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन शहर से लेकर ग्राम स्तर तक किया जाएगा। कार्यक्रमों में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभाव पर चर्चा कर जानकारी जनसमुदाय को दी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी, नशामुक्ति के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, नशामुक्ति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशामुक्ति साहित्य का वितरण, नशामुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर के माध्यम से सभी नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों के मुख्य नपा अधिकारियों एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन के जरिए लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया गया है।

ठंडे बस्ते में चली गई ई-कोर्ट की योजना

रायपुर। मेडिको लीगल मामलों में डाक्टरों को पेशी के लिए न्यायालय के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाने के लिए आंबेडकर अस्पताल में ई-कोर्ट योजना ठंडे बस्ते में चली गई। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन और न्यायालय के बीच ऑनलाइन सिस्टम विकसित किया जाना था। लिंक नहीं मिलने की वजह से इस पर अब तक काम पूरा नहीं हो पाया है और चिकित्सकों को पेशी के रायपुर के साथ दूसरे जिले के न्यायालय जाना पड़ता है।

रायपुर सहित 7 जिलों की 16 हजार सीटों पर निकाली गई लॉटरी, दाखिले जून अंत तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिक्षा के अधिकार अंतर्गत निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से प्रारंभ हो गई। सोमवार को प्रदेश के 7 जिलों की लॉटरी निकाली गई। इसमें राजधानी रायपुर के साथ ही दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, कवर्धा, जगदलपुर एवं जशपुर शामिल रहे। इन जिलों की 16 हजार सीटों के लिए लॉटरी निकाली गई है।

अन्य जिलों के स्कूलों में प्रवेश के लिए लॉटरी संबंधित प्रक्रिया विभाग द्वारा 30 मई तक पूर्ण की जाएगी। इसके बाद छात्रों को संबंधित विद्यालयों में प्रवेश लेना होगा। इसके लिए उन्हें जून प्रारंभ से लेकर अंत तक का समय दिया जाएगा। प्रथम चरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए जाएंगे। इनमें रायपुर में 5 हजार 126 आरक्षित सीटों के विरूद्ध 4 हजार 655, दुर्ग में 4 हजार 293 सीटों के विरूद्ध 3 हजार 462, बिलासपुर में 4 हजार 558 सीटों के विरूद्ध 3 हजार 609, राजनांदगांव में एक हजार 703 सीटों के विरूद्ध एक हजार 471, कवर्धा में एक हजार 351 सीटों के विरूद्ध एक हजार 242, जशपुर में एक हजार 252 सीटों के विरूद्ध 895 और जगदलपुर में 761 सीटों के विरूद्ध 702 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

- 20 से 30 मई तक पूरी की जाएगी सभी जिलों में लॉटरी की प्रक्रिया
- दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव ,कवर्धा जगदलपुर एवं जशपुर के निजी स्कूलों में दाखिले प्रारंभ

33 हजार आवेदनों में से चयन

इन सात जिलों में 16 हजार सीटों के लिए करीब 33 हजार आवेदन स्वीकृत हुए थे। 33 हजार सीटों में से 16 हजार छात्रों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया गया है। लॉटरी में पालक, छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी, लोक शिक्षण संचालनालय की संचालिका दिव्या मिश्रा, स्कूल शिक्षा विभाग से योगेश शिवहरे, आशुतोष चौरे, अशोक बंजारा, दिनेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। जिन छात्रों के नाम लॉटरी में निकाले गए हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए संबंधित विद्यालयों में तय तिथि तक प्रवेश लेना होगा।

एसएमएस के जरिए दी जाएगी सूचना

संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश में संचालित 6 हजार 554 निजी विद्यालयों के प्रारंभिक कक्षा में आरक्षित 52 हजार 872 सीटों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण में सोमवार को 16 हजार 41 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को उनके मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा। आवेदन करते वक्त पालकों द्वारा जो फोन नंबर दर्ज कराया गया था, उसी फोन नंबर पर मैसेज भेजा जाएगा।

बिरगांव निगम द्वारा उरकुरा में बनवाए जा रहे भवन की मॉनिटरिंग में अनदेखी से ऐसा हाल

एजेंसी ने अटकाया डुप्लेक्स मंगल भवन निर्माण समय खत्म होने के 5 महीने बाद भी 60% काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डुप्लेक्स मांगलिक भवन निर्माण की धीमी चाल के कारण उरकुरा के लोगों को मिलने वाली सुविधा का अरसे से इंतजार है। इस भवन को बनाने के लिए तीन साल पहले भूमिपूजन और इसके बाद सिर्फ 11 महीने में नई सुविधा देने का दावा फेल है। निर्माण को दिसंबर में पूरा करना था, जबकि स्पाट पर अभी भी 60 प्रतिशत काम ही हुआ है। निगम के जिम्मेदार निर्माण एजेंसी से काम पूरा करवाने में रुचि भी नहीं ले रहे हैं।

खास खबर

निगम बनने के 9 साल बाद भी बिरगांव निगम सुविधा के लिए तरस रहा है। जिन निर्माण कार्यों को शासन से मंजूरी भी मिल रही, उसे निगम के जिम्मेदार पूरा करवाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। इससे लोगों के बीच सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। इसकी जानकारी जिम्मेदारों से लेने पर पता चला कि निगम प्रशासन ने लोगों की मांग पर 2. 83 करोड़ में डुप्लेक्स मंगल भवन बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव दिया था। इसे मंजूरी मिलने के बाद करीब तीन साल पहले लोगों की सुविधा के लिए डुप्लेक्स मंगल भवन बनाने के लिए भूमिपूजन किया गया। इसके बाद जिस एजेंसी को निर्माण की जिम्मेदारी दी गई, उसने पहले वित्तीय दिक्कतों के कारण काम बंद किया। फंड मिलने पर दोबारा काम शुरू करवाते समय प्रोजेक्ट को 11 महीने यानी 11 दिसंबर तक पूरा करने की शर्त रखी गई, लेकिन प्रोजेक्ट अभी तक 40 फीसदी अधूरा है। इसके कारण लोगों को सुविधा के लिए अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है।

लोगों को मिलेगी यह सुविधा : मंगल भवन का निर्माण 10 हजार वर्गफीट एरिया में किया जा रहा है। इसमें लोगों को विभिन्न आयोजनों के लिए बड़ा हाल और रसोई की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा शादी-सगाई के लिए भवन बुक कराने वाले परिवारों को सर्वसुविधा युक्त 5 कमरे भी मिलेंगे। भवन के लिए करीब एक एकड़ जमीन को आरक्षित किया गया है। इस भवन परिसर में लोगों को वाहन पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। निर्माण को कब तक पूरा करना है ,इसके लिए जिम्मेदारों ने नई एजेंसी को जिम्मेदारी देने के बाद भूल गए हैं। इसका संचालन निगम द्वारा कार्यालय से किया जाएगा।

मॉनिटरिंग करवा रहे, होगी कार्रवाई

भवन निर्माण की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करवाने के बाद मानीटरिंग करवा रहे हैं। अभी तय कार्यों में 60 प्रतिशत निर्माण एजेंसी ने पूरा किया है। विलंब की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड लगाने के लिए जिम्मेदारों को निर्देश दिया जाएगा।

- **नंदलाल देवांगन, महापौर,** नगर निगम, बिरगांव

गुमराह करने बोर्ड नहीं लगाया

निर्माण कार्य को किस एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए कितना बजट खर्च किया जाएगा। निर्माण कब शुरू किया गया और कब तक इसे पूरा किया जाना है, यह तमाम जानकारी लोगों को मिले, इसके लिए निर्माण स्थल पर बोर्ड लगाने का नियम है। निगम के जिम्मेदारों की अनदेखी का फायदा उठाने वाली निर्माण एजेंसी ने मौके पर ऐसा कोई बोर्ड भी नहीं लगाया है। इससे लोगों को निर्माण पूरा होने के बाद कब से नई सुविधा मिलेगी। इसकी जानकारी जनता को नहीं मिल रही और निर्माण एजेंसी से कोई जवाब भी मांगने भी नहीं पहुंच रहा है।

इस कारण भी रफ्तार हुई धीमी

डुप्लेक्स भवन निर्माण के लिए जिस एजेंसी को 2023 में वर्कआर्डर दिया गया। उसने खुद काम करने की बजाय पेटी कांटेक्ट में दूसरे ठेकेदार को जिम्मेदारी दी। बाद में जुर्माना से बचने के लिए टेंडर लेने वाली एजेंसी ने कार्रवाई से बचने के लिए खुद काम करने का निर्णय लिया। दोनों ही एजेंसियों के बीच लोगों की सुविधा में अटकाए जा रहे रोड़े को खत्म करने के बजाय निगम के जिम्मेदारों ने मानीटरिंग में भी कोताही बरती। इसके कारण 11 दिसंबर के बजाय अभी भी उरकुरा में रहने वाली 25 हजार से ज्यादा आबादी को मिलने वाली नई सुविधा अटकी हुई है।

नेहरू नगर से भाठागांव के नए बस टर्मिनल तक डिवाइडर तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- डेढ़ किलोमीटर दायरे में 14 मीटर चौड़ी सड़क
- ट्रैफिक के दबाव से मिलेगी राहत
- 2 वार्ड के रिहाइशी इलाके की पुरानी सड़क चकाचक

नेहरू नगर से भाठागांव के नए बस टर्मिनल तक डिवाइडर तैयार है। डेढ़ किलोमीटर के दायरे की यह सड़क अब चौड़ी होने के साथ ही चकाचक हो गई है। बिना तोड़फोड़ किए इस सड़क को सुगम आवागमन के लिए 14 मीटर चौड़ी कर गंदे पानी के निकास के लिए पक्की और कवर्ड नाली बनाई गई है। 2 वार्डों के रिहाइशी इलाके वाली इस सड़क पर 15 मीटर के फासले पर 1 स्ट्रीट पोल लगाया गया है। इस तरह कुल 40 स्ट्रीट पोल लगाकर पूरे एरिया को रोशनी से जगमगाया गया है।

रायपुर नगर निगम के जोन 6 द्वारा नेहरू नगर से अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल तक सुगम आवागमन के लिए सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया गया है। नगर निगम जोन 4 और जोन 6 के दायरे की इस नई सड़क के चौड़ीकरण का काम 15 माह की समय अवधि में पूरा कराया गया है। नए बसस्टैंड बनने के साथ ही इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बढ़ने के साथ यहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ा है। ऐसे में आम जनता को सुरक्षित आवागमन की सुविधा देने रोड डिवाइडर बनाया गया है।

डिवाइडर के सेंट्रल पाइंट पर लाइटें लगाकर प्रकाश की व्यवस्था की गई है। साथ ही पुराने बेतरतीब बिजली के खंबों को व्यवस्थित करने का काम कराया गया है।

सुगम आवागमन के लिए सुव्यवस्थित सड़क

नेहरू नगर चौक से भाठागांव के नए बस टर्मिनल तक सड़क चौड़ीकरण कर नया डिवाइडर बनाया गया है। इससे लोगों को अब सुगम आवागमन के लिए सुव्यवस्थित सड़क मिलेगी।

- **रमेश जायसवाल,** कमिश्नर, जोन 6, नगर निगम रायपुर

गोकुलनगर का इकलौता तालाब सूखा, 5 हजार मवेशियों के लिए निस्तारी का संकट, निगम बेसुध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिकायत के बाद भी जोन 6 कमिश्नर नहीं दे रहे ध्यान

राजधानी के गोकुलनगर में नगर निगम द्वारा 8 साल पूर्व बनाया गया इकलौता तालाब इन दिनों पूरी तरह सूख गया है। इससे 180 डेयरी संचालकों के 5 हजार मवेशी पानी के लिए तरस गये हैं। यही नहीं, तालाब को गर्मी में सूखने से बचाने निगम ने जो बोरवेल खनन कराया था, वह महीनों से खराब पड़ा है। खटाल वालों ने इसकी शिकायत जोन 6 कमिश्नर से की है, पर गोकुलनगर के तालाब को भरने अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। हजारों मवेशी के लिए निस्तारी का संकट खड़ा होने से वहां के रहवासी परेशान हैं। गोकुलनगर दुग्ध संघ के अध्यक्ष भक्तिशरण मलिक ने निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा से तालाब को पानी से भरने की मांग की है।

- बिजली का मीटर असामाजिक तत्वों ने कर दिया था पार

हरिभूमि सरोकार

- तालाब को भरने वाला बोरवेल खराब

मीटर उखाड़कर ले गये, बोरवेल भी खराब

गोकुल नगर के रहवासियों का कहना है कि कुछ समय पहले असामाजिक तत्वों ने तालाब के समीप बोरवेल के लिए लगाये गये मीटर को पार कर दिया। तेज गर्मी में बोरवेल खराब होने के बाद इसे दोबारा नहीं बनाया गया, जबकि डेयरी संचालकों ने इस संबंध में जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल को पहले ही अवगत करा दिया है। तालाब के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव बनाकर जोन 6 को भेजा जा चुका है। शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड पार्षद सावित्री-जयमोहन साहू ने बताया कि गोकुलनगर के तालाब सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव लंबित होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

शहर के अलग-अलग रहवासी इलाकों में डेयरी चला रहे छोटे व मध्यम पशुपालकों को रिहाइशी इलाकों से हटाकर एक जगह सुव्यवस्थित करने 2006 में गोकुलनगर बसाया गया। वहां वर्तमान में 180 डेयरी संचालक अपने 5 हजार से अधिक मवेशियों के साथ आजीविका चला रहे हैं। रायपुर नगर निगम ने इन्हें मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने गोकुलनगर में पक्के शेड आवंटित किये। इसके साथ ही डेयरी संचालकों की मांग पर तत्कालीन महापौर प्रमोद दुबे ने वर्ष 2017 में गोकुलनगर में अतिक्रमण हटाकर मवेशियों की प्यास बुझाने और निस्तारी के लिए तालाब विकसित किया। तालाब को गर्मी के मौसम में सूखने से बचाने निगम प्रशासन ने वहां बोरवेल खनन कराया। इसके साथ ही मीटर कनेक्शन उपलब्ध कराकर तालाब को पानी से भरने की व्यवस्था दी।

मिली है शिकायत

गोकुलनगर स्थित तालाब पूरी तरह से सूख जाने की शिकायत आई है। इसे दिखवाता हूं, बंद पड़े बोरवेल की मरम्मत कराई जायेगी, ताकि गर्मी के दिनों में डेयरी संचालकों को पानी की समस्या ना हो।

- **नरसिंग फरेन्द्र,** कार्यपालन अभियंता, जल विभाग, नगर निगम रायपुर

दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया किशोर खारुन नदी में डूबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र की खारुन नदी में डूबने से रायपुर के एक युवक की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। साथ ही किशोर के साथ पिकनिक मनाने गए अन्य लड़कों के साथ पूछताछ कर रही है। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक गुढ़ियारी निवासी 17 वर्षीय सागर साहू की नदी में डूबने से मौत हुई है। पुलिस के अनुसार घटना दिनांक को सागर अपने अन्य दोस्तों के साथ काठाडीह में पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान पानी की गहाराई का अंदाजा लगाए बगैर सागर ने नदी में छलांग लगा दी। नदी गहरी होने के साथ पानी का बहाव तेज था। इसके कारण सागर नदीं में डूब गया। देर तक सागर के पानी से बाहर नहीं निकलने पर दोस्तों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। रात ज्यादा होने की वजह से गोताखोर सागर को नहीं ढूंढ पाए। सागर की लाश सुबह नदी में तैरती मिली। इसके बाद काफी देर तक दुर्ग के साथ रायपुर पुलिस सीमा विवाद के कारण सागर की लाश नदी से निकालने बचते रहे।

- सीमा विवाद के चलते लाश पानी में घंटों तैरती रही

एक सप्ताह के भीतर दूसरी घटना

खारुन नदी में डूबने से मौत की एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है। एक सप्ताह पूर्व रायपुरा के रहने वाले गौरव वर्मा की खारुन में डूबने से मौत की घटना सामने आई थी। गौरव भी अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने खारुन नदी के तट पर पहुंचा था। गौरतलब है कि गर्मी के दिनों में खारुन नदी के तट पर पिकनिक मनाने जाने वाले युवा नदी में पानी कम होने का अनुमान लगाते हुए नदी में छलांग लगा देते हैं, जिसकी वजह से जिन्हें तैराकी नहीं आती, उनकी नदी में डूबने से मौत हो जाती है।

डीके अस्पताल के मरीजों को देना पड़ रहा शुल्क

रायपुर। बीमारी का इलाज कराने के लिए डीके सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल आने वाले मरीजों को वहां निशुल्क जांच की सुविधा नहीं मिल रही है। यहां की जांच व्यवस्था निजी हाथों में होने की वजह से ओपीडी के मरीजों को भी रेडियोलॉजी, पैथालॉजी जांच के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। मरीज की आईपीडी सेवा के दौरान उन्हें आयुष्मान योजना का लाभ मिल पाता है। जबकि आंबेडकर अस्पताल में आने वाले मरीजों से इस तरह का शुल्क नहीं लिया जाता।

सीसीटीवी बढ़ाने का इंतजार

रायपुर। लगातार चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए आंबेडकर अस्पताल में सीसीटीवी की संख्या बढ़ाने की योजना को हरी झंडी देने का इंतजार किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा नई सीसीटीवी कैमरे की खरीदी की जा चुकी है और पुराने कैमरों को अपडेट करने का इंतजार किया जा रहा है। इस बार कैमरे ओपीडी गैलरी के साथ उन गलियारों में भी लगाने की योजना है जहां काफी गहमा गहमी होती है। माना जा रहा है कि कैमरों की संख्या बढ़ने के बाद यहां होने वाले अप्रिय घटनाओं पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकेगी।

बिजनेस साइट

केनरा बैंक में लॉकर सुविधा की जानकारी विषय पर सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा लॉकर सुविधा की जानकारी के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राहकों को लॉकर परिचालन, लॉकर में नॉमिनी व लॉकर संबंधित जानकारी प्रदान की गई। केनरा बैंक द्वारा राज्यभर की 20 शाखाओं में लॉकर सुविधा प्रदान की जाती है। इनमें ग्राहक अपनी सुविधानुसार लघु, मध्यम या बड़ा लॉकर चुन सकते हैं। ग्राहक, नजदीकी शाखा में संपर्क कर लॉकर ले सकते हैं। ये शाखाएं भिलाई मेन, भिलाई जीई रोड, भिलाई एसएमई, धमतरी, जगदलपुर, जगदलपुर चित्रकोट रोड, रायपुर मेन, रायपुर मेन-2, रायपुर फूल चौक, राजीव नगर में हैं।

- केनरा बैंक द्वारा राज्यभर की 20 शाखाओं में प्रदान की जाती है लॉकर सुविधा

सिंधु पैलेस में कंवर जो मेलो 2 जून को, तैयारी में जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कटोरा तालाब स्थित संत कंवरराम सेवा संकल्प के कार्यालय में रविवार को कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 2 जून को सिंधु पैलेस शंकर नगर में प्रस्तावित कंवर जो मेलो का भव्य आयोजन किया जाएगा, इसकी तैयारी के लिए सेवादारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इस आयोजन का शुभारंभ 2 जून को शाम 4 बजे पूज्य कंवरधाम अमरावती के प्रमुख साईं राजेश लाल, संत शदाणी नगर के डॉ. साईं युधिष्ठिरलाल, महंत अम्मा मीरादेवी, साईं लाल दास, छग साधु समाज एवं मसंद सेवाश्रम के प्रमुख साईं जलकुमार मसंद के सानिध्य एवं सिंधी समाज की गरिमामयी उपस्थिति

में होगा। शाम को 4 बजे 125 परिवारों को अन्न एवं वस्त्र वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार कई कार्यक्रम होगा। बैठक में अमित जीवन, किशोर आहूजा, पवन प्रीतवानी, अमृत लाल आडवाणी, किशनचंद नहलानी, आचरमल वाधवानी, डीआर वाधवानी, राजू तारवानी, अमर बजाज, अमर दास खट्टर, पवन वाधवा, बजाज, प्रताप थारवानी, अशोक लालवानी, राधा राजपाल, राजकुमार सोनी, दर्शन सचदेव, अमर परचानी आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 21 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

रोजमर्रा की जिंदगी में करेंगे ये 5 बदलाव...

कैंपस इवेंट

इंजीनियरिंग छात्र बारीकी समझने करेंगे प्रदेश के उद्योगों का भ्रमण

रायपुर। वर्तमान समय औद्योगिक संस्थानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एक जरूरी कदम बढ़ाते हुए एआईटी और एक्सकैलिबर मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस दौरान एनआईटी निदेशक प्रो.एनवी रमना राव और एक्सकैलिबर सॉल्यूशंस के ऋतुराज देशमुख मौजूद रहे। उन्होंने इस एमओयू के बारे में जानकारी देते हुए बताया, छतीसगढ़ एक खनिज संपन्न राज्य है और यह एमओयू औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए है। चूंकि हर साल औद्योगिक क्षेत्रों का ऑडिट किया जाता है तो ऑडिट प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं जैसे औद्योगिक सुरक्षा, सेनिटाइजेशन इत्यादि को उत्तम बनाने में ये साझेदारी सहायक साबित होगी। इस एमओयू से औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले सभी वर्ग के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा और उन्हें अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ साथ शारीरिक, मानसिक विकास भी मिल पाएगा।

छात्रों को मिलेंगे अनुसंधान के मौके

इसके अलावा विषय विशेषज्ञता के लिए सहायक प्रोफेसर्स को भी शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की डॉ.मोक्षा सिंह, मेटलर्जी एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग की डॉ.नेहा गुप्ता और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डॉ.रम्या सेल्वाराज को टीम में शामिल किया गया है। यह एमओयू प्रारंभ में एक वर्ष के लिए वैध है और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से इसे बढ़ाया जा सकता है। यह रणनीतिक साझेदारी छात्रों और संकाय सदस्यों के भी लाभ पर केंद्रित है। इसके तहत औद्योगिक प्रदर्शन, लाइव-प्रोजेक्ट, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाएंगे।

सिटी इवेंट

कोविड-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोग सजग

रायपुर। रविवि के मनोविज्ञान अध्ययनशाला में वार्षिक एलुमनी मीट एवम बेसिक्स ऑफ काउंसलिंग स्किल्स पर लेक्चर आयोजित किया गया। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रोमिला सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा, मनोविज्ञान विषय की पढ़ाई करने वाले किसी भी छात्र को जीवन में कभी भी अपने कॅरियर को लेकर परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। उसे केवल अपने ज्ञान पर विश्वास एवं आवश्यक रूप से प्रशिक्षित होना ही काफी है। कोविड-19 के बाद से मनोविज्ञान के महत्व और आवश्यकता पर लोगों का ध्यान और अधिक बढ़ गया है। सामाजिक आदर्श बहुत तेजी से बदल रहे हैं इसलिए प्रत्येक विद्यालय में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की नियुक्ति बहुत आवश्यक है जो किशोरों एवं समाज के इन बदलते हुए आदर्शों के संघर्ष से बचने के लिए सभी की सहायता कर सकें। इसके साथ ही पं. रविशंकर शुक्ल विवि की मनोविज्ञान अध्ययनशाला की एलुमनी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रो. मीता झा, उपाध्यक्ष डॉ.बसंत कुमार सोनबेर, सचिव डॉ. रोली तिवारी, सहसचिव मनीषा मैराल, कोषाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा एवं कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में डॉ. ललिता साहू एवं डॉ. अंकिता देशमुख को निर्विरोध चुना गया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभावती शुक्ला ने सभी को शुभकामनाएं दी और विभाग से जुड़कर निरंतर नए कार्य करने के लिए बधाई दी।

नए विद्यार्थियों ने ली आजीवन सदस्यता

विभिन्न सदस्यों ने एसोसिएशन की वार्षिक एवं आजीवन सदस्यता ग्रहण की जिनका स्वागत किया गया। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद एसोसिएशन की आगामी वार्षिक गतिविधियों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। सहायक प्राध्यापिका डॉ. रोली तिवारी ने कहा, किसी भी संगठन का बीजारोपण वहां के वरिष्ठ लोग करते हैं लेकिन उस संस्था को आगे बढ़ाने में सहयोग भूतपूर्व छात्र-छात्राएं करते हैं। गजेंद्र साहू, अमरूत मुजूमदार, आईरिन, दीप्ति दुबे, तारिणी, अनुराग, आद्या, सुषमा, डॉ.अंजलि, डॉ.गीतांजलि, डॉ.जीता बेहरा, टिकेश्वर साहू एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आए कई मनोवैज्ञानिकों एवं परामर्शदाताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संगीता को समाजसेवा के लिए 'समर्पण अवार्ड'

संगीता नेरल को उनके विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए समर्पण : द एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सिंघानिया बिल्डकान ग्रुप द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ.संगीता शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी की व्याख्याता हैं। विभिन्न प्रकार की मानवीय, सामाजिक, मेडिकल व शैक्षणिक गतिविधियों में अपनी रचनात्मक भूमिका के लिए उन्हें यह अवार्ड दिया गया। स्वयं अब तक 26 बार रक्तदान कर चुकी संगीता नेरल ने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के लिए अनेक प्रेरक व्याख्यान, सेमिनार और शिविर आयोजित किए हैं।

● शहर में 7 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की चाय पी रहे लोग, 30 अलग-अलग फ्लेवर में भी उपलब्ध

होटलों में विदेशी फूलों की पत्तियों से बना रहे चाय विटामिन के लिए दार्जिलिंग की 'ऊलोंग' की मांग

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस आज

बदलते समय के साथ अब चाय के फ्लेवर और रंगों में भी कई बदलाव हो चुके हैं। अब केवल दूध की इलायची और अदरक वाली चाय ही नहीं चॉकलेट, मिंट समेत मैंगो व लेमन फ्लेवर जैसी चाय मिलने लगी है। युवाओं में इसकी मांग भी है, क्योंकि इस तरह की चाय कैंसर, डायबिटीज, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों को दूर करने के लिए मददगार है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर हरिभूमि ने शहर होटल और रेस्तरां में मिलने वाली नई तरह के चाय की जानकारी ली। ठेलों में जहां 5 रुपए में चाय मिल जाती है तो वहीं होटल कोर्टयार्ड मैरियट में 500 रुपए तक चाय उपलब्ध है। यहां ऑरेंज, येलो, वाइट, और ग्रीन चाय लोग पीने पहुंच रहे हैं।

रायपुर। विदेशी मेहमानों के लिए भी फूलों वाली चाय बनाई जा रही है। शेफ के मुताबिक, ज्यादातर सेलिब्रिटी इस तरह की चाय पीना पसंद करते हैं। इसे विभिन्न प्रकार के सूखे फूलों की पत्तियों से तैयार किया जाता है। इस चाय की खास बात यह भी है कि फूलों की चाय तनाव दूर करने और दबाव कम करने के साथ नींद में सुधार करने में भी मददगार होती है। इस विशेष चाय के लिए दूसरे राज्यों से गेंदा, गुलाल समेत विदेशी फूलों की सूखी पत्तियां मंगाई जाती हैं।

ऊलोंग का स्वाद हल्का मीठा और थोड़ा तीखा

शहर में बड़े होटलों में अधिक विटामिन वाली चाय की मांग अधिक है। होटल हयात और बेबीलॉन इंटरनेशनल में दर्जन से अधिक प्रकार की चाय बनाई जाती है। होटलों में ज्यादातर लोग दूध की बनी चाय से अधिक पानी से बनी चाय पीना पसंद कर रहे हैं। होटलों में दार्जिलिंग की ऊलोंग चाय की मांग अधिक है। इस चाय को देश का सबसे अच्छी चाय माना जाता है। होटल शेफ के मुताबिक, ऊलोंग चाय का मसाला दार्जिलिंग से मनाया जाता है। पानी से भी तैयार किया जाता है। इसका स्वाद हल्का मीठा और थोड़ा तीखा होता है। इस चाय की मांग इसलिए अधिक होती है क्योंकि इसमें कई तरह की विटामिन होती है, जो शरीर को तरोताजा रखती है।

यूथ में चॉकलेट और फ्रूट फ्लेवर का क्रेज

शहर के रेस्त्रां में नए फ्लेवर की चाय को लेकर क्रेज बढ़ता जा रहा है। समता स्थित द लाइट कैफे के संचालक विनायक शुक्ला ने बताया कि इन दिनों चॉकलेट और फ्रूट फ्लेवर में चाय की मांग है। विभिन्न फ्लेवर में चायपत्ती आने से अब 30 तरह की चाय लोगों को पीने मिल रही है, जिसकी कीमत 50 से 100 रुपए तक है। ग्रीन टी, हर्बल टी, ब्लैक टी, मिल्क टी, मसाले वाली चाय, अदरक वाली चाय, इलायची चाय, दालचीनी पाउडर वाली चाय के साथ विभिन्न फल और फूल के फ्लेवर वाली चाय पीने युवा पहुंच रहे हैं।

दो कप से अधिक चाय सेहत के लिए हानिकारक

चाय पीने के शौकीन एक दिन में 5 से 6 कप तक चाय पी जाते हैं, लेकिन ऐसा करने से सेहत भी बिगड़ सकती है। जनरल मेडिसिन डॉ. प्रियांशु शर्मा का कहना है कि रोजाना 1 से 2 कप चाय पी सकते हैं। इससे शरीर को कोई हानि नहीं होगी। ज्यादा चाय पीने से नींद न आना या नींद पूरी न होना जैसी शिकायतें हो सकती हैं। कैफीन का अधिक सेवन वास्तव में आपके पाचन को बाधित कर सकता है तथा पोषण के अवशोषण को कम कर सकता है। कई केस में चाय के अधिक पीने से बेचैनी और सीने में जलन भी होती देखी गई है।

शहर की 80% आबादी पीती है चाय

बीते पांच सालों की बात करें तो रायपुर शहर में प्रतिदिन चाय पीने वाले 2 से 3 लाख तक बढ़ गए है। इसके साथ ही चौक-चौराहों पर ढुकानें भी बढ़ गई हैं। चाय की मांग बढ़ने से राजधानी में चायपत्ती की बिक्री एक लाख किलो प्रतिमाह तक पहुंच गई है। चाय व्यापारी संघ के अध्यक्ष यशवंत जैन ने बताया, सालभर पहले प्रतिमाह खपत 80 हजार किलो तक थी, जो बढ़कर एक लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि शहर में लोग टाटा की रेड लेबल, बुक बांड की ताजमहल, वाघ बकरी समेत अन्य कंपनियों की चाय पी रहे हैं। चाय की यह खपत पिछले पांच सालों में लगातार बढ़ी है। हर स्तर की चाय की मांग शहर में बढ़ी है।

किरदार में खुद को झोंकने से ही आती है पात्र में जान

रायपुर। अभिनय में जान फूंकने के लिए अपने आप को पूरी तरह झोंकना पड़ता है। सारी बातों को भूलकर सिर्फ अपनी भूमिका में ध्यान केंद्रित करना होता है और फिर यह मेहनत और समर्पण रंगमंच पर या पर्दे पर नजर आती है। महाराष्ट्र नाट्य मंडल के सदस्यों से बात करते हुए मराठी सिनेमा और रंगमंच अभिनेता प्रमोद पवार उक्त बातें कहीं। पवार मुंबई साहित्य संघ के सचिव और अखिल भारती नाट्य विधा संस्कार भारती के संयोजक भी हैं। वे यहां संस्कार भारती के तीन दिवसीय रंग संस्कार महोत्सव के दौरान नाट्य निर्देशन और नाट्य लेखन को लेकर कार्यशाला में मार्गदर्शन देने आए थे।

6 हजार से अधिक मराठी नाटकों का मंचन

विशेष अतिथि डॉ. योगेंद्र चौबे रहे। वे छत्तीसगढ़ के प्रथम ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा नई दिल्ली से ग्रेजुएट किया और उसके बाद ड्रामा पर पीएचडी की। उन्होंने बताया, पहले वे वकालत करते थे। वकालत छोड़कर ड्रामा में गए। जब ड्रामा से लौटे, तब इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय में उन्होंने ड्रामा विभाग की स्थापना की। डॉ. चौबे ने अमृता प्रीतम की लिखी कहानी पर एक छत्तीसगढ़ी फिल्म बनाई है। उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिली। प्रमोद पवार के साथ वह सिनेमा में भी काम कर रहे हैं। इस मौके पर महाराष्ट्र मंडल और महाराष्ट्र नाट्य मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मराठी नाटकों के छह हजार से अधिक मंचन करने वाले व सिनेमा में लगभग 35 साल से सक्रिय वरिष्ठ कलाकार प्रमोद पवार फिलहाल स्टार प्रवाह पर प्रसारित धारावाहिक 'घरो घरी माती ची चूल' में नाना की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति अभिनय में ही अपने आप को स्थापित करने और इससे ही अपनी आजीविका चलाने की थी। इसमें वे सफल भी हुए। पारिवारिक दबाव के कारण उन्होंने एमटीएनएल में नौकरी की। कुछ समय में ही वे यह सब छोड़कर बचपन से तय अपने लक्ष्य की ओर बढ़ गए। पवार बताते हैं कि उनका बहुचर्चित नाटक 'आणी सावरकर' के अब तक करीब 500 शो हो चुके हैं। इस नाटक के बाद ही उन्होंने लेखन और फिर निर्देशन में अपना हाथ आजमाया। अब वे संगीत नाटकों पर भी लगातार काम कर रहे हैं।

जिंदगी सिर्फ 30 वर्ष तक...

रायपुर। जिंदगी सिर्फ 30 वर्ष तक ही है। जितना जीना है, इस दौरान जी लो। इसके बाद तो बस जिए जा रहे हैं, टाइप का मामला हो जाता है। ये बातें स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी ने कही। वे सप्ताहांत में शहर पहुंचे हुए थे। यहां उन्होंने एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में हिस्सा लिया। पं.दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में एक निजी इवेंट कंपनी द्वारा इसका आयोजन किया गया था। बस्सी को लेकर लोगों में दीवानगी का स्तर यह था कि शो की सभी टिकटें पहले ही बिक चुकी थी। शो के दौरान ऑडिटोरियम पूरी तरह से भरा रहा।

साझा की प्रेम यात्रा

अपने कॉमेडी शो में बस्सी ने अपनी प्रेमिका और उसके समक्ष रखे गए प्रेम प्रस्ताव को मजेदार तरीके से पेश किया। उनकी कॉमिक टाइम ने सभी को हंसाया। यूथ की लव लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर भी चुटकुले उन्होंने पेश किए।

कार्नर न्यूज

कोपलवाणी ने 51 विशिष्ट बच्चों की माताओं को दिया मातृत्व सम्मान

आपका बच्चा जैसा व जिस हाल में, उसे समाज के सामने उसी रूप में स्वीकार करें, इससे जीवन में आएगा बदलाव

रायपुर। आप का बच्चा बोल या सुन नहीं सकता या किसी तरह की मानसिक समस्या का शिकार है, तो उसे छिपाते रहने की बजाय स्वीकार करें। वह जैसा व जिस हाल में है, उस बच्चे या बच्ची को समाज के सामने माता-पिता स्वीकार करें। इससे बच्चे के जीवन में समय के साथ बदलाव आएगा। मूक-बधिर व मानसिक बीमारियों से ग्रसित विशिष्ट बच्चों की माताओं ने यह बातें सोमवार को मातृत्व सम्मान के मौके पर वृंदावन हॉल में अपना अनुभव साझा करते हुए कही।

सिहावा नगर निवासी मधु शर्मा ने बताया, बेटी पूजा में जन्मजात कमियों को देखते हुए काफी संघर्ष करना पड़ा। अनुभव के आधार पर कह रही हूं कि अगर समय पर ऐसे बच्चों को स्पेशल एजूकेटर का साथ मिले, तो वे जीवन में बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। मेरी बेटी कोपलवाणी से शिक्षा प्राप्त करने के बाद अब नगरी में खुद मूक-बधिर बच्चों के लिए ही विद्यालय संचालित कर रही है। अन्य माताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए।

खुशियों को किया दरकिनार

कोपलवाणी चाइल्ड वेलफेयर आर्गेनाइजेशन ने मातृ दिवस के उपलक्ष में सशक्त माताओं को मातृत्व सम्मान देने और उनके अनुभव सुनने के लिए पहल की। इसमें प्रदेशभर से चयनित 51 सशक्त माताओं का सम्मान किया गया। संस्था की संस्थापिका पद्मा शर्मा ने बताया कि इस खास पल के कई मायने हैं। हमारे बीच प्रदेश की ऐसी माताएं हैं, जिन्होंने बच्चों के लिए अपनी खुशियों को दरकिनार किया है। ऐसी माताओं का सम्मान करने के लिए मंच पर अतिथि के रूप में आनंद सिंघानिया, एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक सी. शिवकुमार, डीआईजी आलोक शर्मा, सक्षम के प्रांताध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला, प्रयास की पूर्व निदेशक मीना सिंह भी उपस्थित रहे।

सिर्फ 'मां' शब्द सुनने के लिए जतन

सम्मान लेने के बाद पूनम पटेल ने कहा कि विशिष्ट बच्चों के माता-पिता को चाहिए कि उनका बच्चा चाहे जिस विपरीत परिस्थितियों में हो, उसी रुप में उसे स्वीकार करें। कई ऐसी माताएं हैं, जो दृढ़ता के साथ विशिष्ट बच्चों के लालन-पालन में जीवन बिता रही हैं। कुछ माताएं ऐसी भी हैं, जिनके बच्चे ठीक से बोल नहीं सकते और उनके मुंह से केवल मां शब्द सुनने के लिए वे जतन करती हैं। ऐसा गुण रखने वाली माताओं के रुप में सम्मान प्राप्त पाने का सुखद एहसास हमें मजबूती देता है। बहुत सी माताएं ऐसी हैं, जिनके बच्चे सार्वजनिक स्थलों में सहज नहीं होते हैं। इस कारण उनकी माताएं शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल, गार्डन जाने से वंचित हैं।

आराधना

जैन मंदिर के चुनाव हुए पूर्ण जिन प्रतिमाओं के समक्ष शपथ

रायपुर। डीडी नगर स्थित श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में मंदिर समिति-2024 के निर्वाचित सदस्यों ने सकल जैन समाज के समक्ष शपथ विधि समारोह का आयोजन किया। वर्तमान अध्यक्ष नरेश सिंघई ने बताया, समाज के सदस्यों की खास उपस्थित में मूलनायक श्री वासुपुज्य भगवान की विशाल प्रतिमा का दर्शन करने के बाद शपथ विधि की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। जहां ममता मनोज ने मधुर स्वर में मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अध्यक्षता देव कुमार जैन, विशेष अतिथि यशवंत जैन, राजेश जैन, अतुल जैन, अशोक जैन, पवन सेठी सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नए सदस्यो को मंगल आशीर्वाद दिया। वहीं सेवा समिति की नई कार्यकारिणी ने जिन प्रतिमाओं को साक्षी मानकर शपथ ली।

बेहतर काम का भरोसा

महावीर ज्ञान विद्या संघ के मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया, मंदिर निर्माण से लेकर अभी तक सभी काम सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न हुए हैं। इससे राजधानी व डीडी नगर के आस-पास क्षेत्र में जैन धर्म की धर्म प्रभावना अच्छी बनी हुई है। वर्तमान कार्यकारिणी इसे आगे भी व्यवस्थित एवं बेहतर तरीके से करेगी। नए अध्यक्ष एवं उनके सदस्यों द्वारा पूर्ण निष्ठा से समाज और जन हित में मंदिर की ओर से काम करने का आश्वासन दिया गया। वहीं पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों का सम्मान किया गया।

भरत के रक्षार्थ राम ने किया था दंडकारण्य में वन दुर्गा का आह्वान

संक्रमण व बीमारियों से बचाता है यज्ञ, मिलती है सकारात्मक ऊर्जा

शदाणी दरबार में सजा मंडप, भगवान धन्वंतरी का मंत्रोच्चार से विशेष आह्वान

रायपुर। शदाणी दरबार में केरल से आए आचार्यों के मार्ग-दर्शन में वैदिक विधि-विधान से सजाए गए मंडप में प्रतिदिन सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 से रात 8 बजे तक महा सुहत महा शाक्त यज्ञ विधान किया जा रहा है। सोमवार को द्वितीय दिवस पर यज्ञ गणपति, प्रदोष यज्ञ और महा सुहत यज्ञ किया गया। उसके बाद महा धन्वंतरी का मंत्रोच्चार के साथ विशेष यज्ञ भी भक्तों की मौजूदगी में किया गया। श्री महा दिव्य देशम फाउंडेशन के संस्थापक राजीव रकुल महाराज ने बताया, भगवान धन्वंतरी अमरता के देवता होने के साथ देवताओं के चिकित्सक भी हैं। महाविष्णु के सर्वोच्च स्वरूप में वह आयुर्वेद के जनक और अमृत को शुद्ध चेतना की ओर ले जाते हैं। छत्तीसगढ़ में पहली बार किया जा रहा यह यज्ञ सभी समुदाय को संक्रमण, बीमारियों से बचाने में मदद करेगा। यह व्यक्ति को मानसिक शांति व अच्छा स्वास्थ प्रदान करता है।

भगवान राम का ननिहाल में यज्ञ का महत्व अधिक

छत्तीसगढ़ में पहली बार केरल से आए आचार्यों व वैदिक मंत्रों से यज्ञ अनुष्ठान कराने पहुंचे श्री महा दिव्य देशम फाउंडेशन के संस्थापक राजीव रकुल महाराज से हरिभूमि ने चर्चा की। उन्होंने बताया, सर्जन की सेवा के दौरान 5 साल पहले जॉब छोड़कर आस्था का रास्ता चुना। यहां हो रहा यज्ञ अनुष्ठान भी माता के आशीर्वाद से ही संभव हो रहा है। यहां आने का पहला अवसर है। यह भगवान राम का ननिहाल है, इसलिए यहां यज्ञ का अवसर खास है। धार्मिक यज्ञ-अनुष्ठानों से पॉजिटिव एनर्जी का संचाल होता है। इससे सकारात्मक सोच के लिए वातावरण निर्मित होता है। युवा सकारात्मक सोच के लिए आराध्य देवी-देवता, कुल देवी व गुरु के बताए रास्ते का अनुसरण करें। इस भावना को जागृत करना ही यज्ञ का उद्देश्य है।

कम होता है तनाव

महाराज ने कहा कि परिवार के लोगों को नियम बनाना चाहिए, वे कम से कम सप्ताह में एक बार सपरिवार मंदिर जाएं। इससे तनाव, क्रोध, आवेश ही नहीं बल्कि बौद्धिक विकारों से भी मुक्ति मिलेगी। युवा व्यसन और मादक द्रव्यों के सेवन से भी बचेंगे। तभी समाज व राष्ट्र में बदलाव और भारत को विश्व गुरु बनाने की परिकल्पना साकार होगी। धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने से कई ऐसी शक्तियों के बारे में जानकारी मिलेगी, जिसे हासिल करके युवा राष्ट्र का निर्माण करने में अहम कड़ी बन सकते हैं।

जंगल और प्राकृतिक परिदृश्य की रक्षक हैं वन देवी

वन दुर्गा का विशेष पूजन व अनुष्ठान किया गया। वर्तमान छत्तीसगढ़ में दंडकारण्य की अधिष्ठात्री देवी वन दुर्गा का आह्वान भगवान राम ने सीता व लक्ष्मण के साथ अपने वनवास के समय किया था। भगवान राम ने अपनी दिव्य दृष्टि से देखा कि उनके भाई भरत अयोध्या को छोड़कर उनकी तलाश में घने जंगल में घूम रहे हैं। इस चुनौतीपूर्ण यात्रा के दौरान भरत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भगवान राम ने वन दुर्गा देवी की सहायता मांगी। देवी पवित्र स्थानों व आस-पास रहने वाले अन्य आदि देवताओं की रक्षा करके पर्यावरण में संतुलन लाती हैं। वन देवी, जंगल और प्राकृतिक परिदृश्य की रक्षक हैं। यह ताकत और जीवन शक्ति भी प्रदान करती है।

सिटी लाइव

श्रद्धालुओं ने ली दीक्षा, ट्रांसजेंडर्स आवासीय स्थल में प्राण-प्रतिष्ठा

रायपुर। ट्रांसजेंडर के सरोना में स्थापित आवास स्थल गरिमा गृह प्रांगण में नवनिर्मित राधा-कृष्ण मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह विधिपत पूजा-अर्चना और गायत्री यज्ञ के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने दीक्षा भी ली। छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति की संस्थापिका रवीना बरिहा एवं विद्या राजपूत ने बताया, विधि-विधान से राधा-कृष्ण मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। गायत्री शक्तिपीठ के परिजनों ने विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराने के उपरांत तीन कुण्डीय गायत्री यज्ञ किया तथा श्रद्धालुओं को दीक्षा दिलाई। प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहूति व आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-संध्या व भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब, जिंदल स्टील के पदाधिकारियों और गायत्री परिवार के परिजनों सहित ट्रांसजेंडर समुदाय के अनेक सदस्य व श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

नशामुक्ति अभियान 31 को

अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर 31 मई को जन सामान्य में धूम्रपान और तंबाकू सेवन करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य धूम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति समाज में जन-चेतना विकसित करना है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया, छग के समस्त जिलों में अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर नशामुक्ति के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नशापान के दुष्प्रभावों की जानकारी, नशामुक्ति के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, नशामुक्ति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशामुक्ति साहित्य का वितरण, नशामुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा।

नए-पुराने गीतों से सजी शाम, मधुर आवाज में डूबे श्रोता

रायपुर। हार्मोनी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा मायाराम सूरजन हॉल में की गीत-गानों की कराओके से सुर-संगीतमयी प्रथम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। भारी संख्या में उपस्थित श्रोताओं ने इस कार्यक्रम का तालियों की गड़गड़ाहट से काफी उत्सहावर्धन करते हुए मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस संगीतमयी कार्यक्रम में रायपुर के अलावा दुर्ग, भिलाई, जगदलपुर के गायक कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम शाम 6.30 शुरू होकर देर रात चला। श्रोताओं से खचाखच भरे हॉल में, मनीष झा ने 'मैंने रखा है मोहब्बत', प्रेरणा झा ने 'दूरी ना रहे कोई', निधि ठाकुर ने 'रोज शाम आती थी मगर ऐसी ना थी' पेश किया। इसके अलावा प्रवीण ठाकुर, अजय ठाकुर, पूर्णिमा झा, निशांत मिश्रा, विकास ठाकुर, अभिलाषा ठाकुर, ऋतु मिश्रा, अंशुमान दत्त, प्रवेश मिश्रा, शक्ति मिश्रा ने गीतों की बेहद मधुर और उम्दा प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा और खूब तालियां बटोरी।

मन शांत करता है संगीत

ग्रुप के डॉयरेक्टर संजीव ठाकुर ने बताया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा रहे। उन्होंने हार्मोनि म्यूजिकल ग्रुप के मंजे हुए बेहतरीन गायक-गायिकाओं सराहना करते हुए कहा कि किसी भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये संगीत आवश्यक है। जब हम कोई कार्य कर रहे होते हैं तो गीतों को गुनगुनाते हैं। इससे मन शांत रहता है और थकान नहीं लगती। सफर में हम गाना सुनते हुए ही गंतव्य तक पहुंचते हैं। इससे समय कैसे गुजरा पता ही नहीं चलता। उन्होंने विगत 50 वर्षों में रेडियो, रिकॉर्ड प्लेयर, कैसेट, सीडी, पेन ड्राइव सहित रिकॉर्डिंग में आए बदलाव पर भी प्रकाश डाला।

छोटे मंदिरों में सेवारत पंडितों को मंगलकार्य का निशुल्क प्रशिक्षण देगा ब्राह्मण समाज

रायपुर। सरयू पारीण ब्राह्मण सभा द्वारा अब पूजन विधि का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। समाज की कार्यकारिणी बैठक तुलसी भवन में हुई, जहां इससे संबंधित महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कार्य समिति के सदस्य संजय तिवारी ने बताया, बैठक में नगर के छोटे-छोटे मंदिरों में पूजन कर रहे पंडितों को विधि-विधान से पूजा पाठ और मंगलकार्य कराने का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आचार्य यदुवंशमणि त्रिपाठी सहित अन्य आचार्य पूजन विधि, विवाह विधि, कथा, प्रवचन आदि में पारंगत कराएंगे।

दूसरे समाज को भी अल्प राशि में भवन

कार्य समिति के सदस्यों ने मंदिर के पूजा-पाठ के पुजारियों तथा मेधावी छात्रों की जानकारी 5 जून तक दिए जाने की अपील की है। कार्य समिति की बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि ब्राह्मण समाज सहित अन्य समाज के लोग भागवत कथा, रामकथा, शिव पुराण का आयोजन करना चाहता है तो अल्प राशि में भवन उपलब्ध कराया जाएगा।

80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले होंगे सम्मानित

सेवानिवृत्त प्राचार्य आरएल द्विवेदी और कैलाश तिवारी ने बताया कि कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की परीक्षा में 80% से अधिक अंक सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं का सम्मान जुलाई में किया जाएगा। बैठक डॉ.सुरेश शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कल्याण प्रसाद पांडेय, विजय शंकर पांडेय, प्रमोद शर्मा, डीएस परोहा, दिनेश मिश्र, बैजनाथ मिश्रा, संगम लाल त्रिपाठी सहित अन्य सदस्य बैठक में शामिल रहे।

एजूकेशन अपडेट

एयर फोर्स 30 से लेगा आवेदन जरूरी है ग्रेज्यूएशन की उपाधि

रायपुर। एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट की तैयारियों में लगे स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी है। इंडियन एयरफोर्स की ओर से एफकैट-2 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर आवेदन तिथियों को घोषित कर दिया है।

अधिसूचना के मुताबिक एफकैट-2 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 30 मई से शुरू की जाएगी जो निर्धारित अंतिम तिथि 28 जून तक जारी रहेगी। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन शुरू होते ही ऑफिशयल वेबसाइट afcat.cdac.in/AFCAT पर जाकर फॉर्म भर सकेंगे। इस एग्जाम में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों का फिजिक्स एवं मैथमेटिक्स विषयों से 10+2 उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके साथ ही अभ्यर्थी ने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से ग्रेज्यूएशन, बीई या बीटेक उत्तीर्ण किया हो। एनसीसी स्पेशल एंट्री के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और 24 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसी प्रकार ग्राउंड ड्यूटी के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और 26 वर्ष से अधिक न हो। आयु की गणना 1 जुलाई 2025 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

ऐसे कर सकेंगे आवेदन

इस भर्ती में शामिल होने के लिए आवेदन शुरू होते ही अभ्यर्थियों को ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर संबंधित लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको पहले रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर क्लिक करके पंजीकरण करना होगा और उसके बाद अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। अंत में उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म सब्मिट करना है। इस भर्ती में शामिल होने के लिए सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए 550 रुपए आवेदन शुल्क तय किया गया है। एप्लीकेशन फीस का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। भर्ती से जुड़ी विस्तृत डिटेल के लिए अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

कार्नर न्यूज

संजयलीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी के लहंगे, गरारा और शरारा चर्चा में

शादियों में दिखेगा 'हीरामंडी' के ड्रेस व ज्वेलरी का ट्रेंड, इस थीम पर डिजाइन के लिए ऑर्डर

शादियों का सीजन लगभग खत्म होने को है। जुलाई में शादियों की कुछ गिनी-चुनी तारीखें ही बची हैं। शादियों में भव्यता चाहने वाले महीनों पहले ही तैयारियां शुरू कर देते हैं। गर्मी के बाद होने वाली शहर की शादियों में अलग ही क्रेज देखने को मिलेगा। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई संजयलीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी के ड्रेस और ज्वेलरी की मांग देखने को मिल रही है।

रायपुर। अब डिजाइनर्स न सिर्फ इस कलेक्शन को तैयार कर रहे हैं, बल्कि फिल्म के थीम से जुड़ी ज्वेलरी और ड्रेस के ऑर्डर भी ले रहे हैं। शहर के फैशन डिजाइनर्स का कहना है कि हीरामंडी फिल्म में पहने गए कपड़े यूनिक हैं। इसके साथ ज्वेलरी भी आकर्षक है। इसलिए शादियों में दुल्हन भी इसी तरह के कपड़े पहनना चाहती हैं। जुलाई में थोक में शादियां होनी हैं, जिसके लिए लोगों ने बॉलीवुड एक्ट्रेस के कपड़ों की थीम में अपने कपड़े तैयार करने ऑर्डर दिए हैं।

उत्तरी पंजाब से मंगाए गए कलेक्शन

हीरामंडी कलेक्शन में नजर आए डार्क ब्राउन, मस्टर्ड यलो, ग्रीन, मजेंटा शेड के लहंगे शादियों में भी देखने को मिलेंगे। डिजाइनर स्मृता पांडेय ने बताया, इस लुक की डिमांड को देखते हुए इसका कलेक्शन खासतौर पर गुजरात, कोलकाता और उत्तरी पंजाब से मंगवाया गया है। इसमें दुल्हन के साथ दूल्हे के लिए भी ड्रेस व ज्वेलरी है। इस थीम के ट्रेंड में आने के बाद एक बार फिर मुगल काल के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाली ज्वेलरी ट्रेंड में आ गई है। इस वर्ष होने वाली शादियों में इसकी झलक देखने को मिलेगी। उनका कहना है कि बॉलीवुड का प्रभाव रियल लाइफ फैशन में दिखना आम बात हो गई है। इससे पहले भी उमरावजान, जोधा-अकबर फिल्मों ने फैशन लवर्स के विकल्पों में बड़े बदलाव लाए थे।

लंबे समय बाद मिला नया लुक

हीरामंडी लुक को लेकर इस बार दुल्हन में क्रेज देखने को मिल रहा है। डिजाइन एकता वर्मा का कहना है, अब तक 3 ब्राइड्स इसी थीम पर लहंगा तैयार करने की डिमांड लेकर आई हैं। इनके ऑर्डर पर हमें जून में यह लहंगे और गरारा और शरारा तैयार करके देना हैं। हैवी ज्वेलरीज भी दुल्हन को पसंद आ रही है। बीते एक दशक से एक तरह के कपड़े शादियों में तैयार किए जा रहे थे। अब हीरामंडी के जरिए लोगों को नया लुक मिला है। यही वजह है कि जब हीरामंडी में जब लोगों ने फिर से जरी-जरदोजी, दबका, कलाबट्टू का काम देखा, तो उनके लिए ये इंस्पायरिंग साबित हुए हैं। इस ट्रेंड के कारण फैशन डिजाइनर्स की कलर पैलेट में करीब एक दशक बाद फिर से मस्टर्ड यलो कलर लौटा है।

सिटी स्पोर्ट्स

मास्टर्स टेबल टेनिस में शैलेष और दिव्या बने विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में राजधानी टेबल टेनिस संघ जिला रायपुर द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में आयोजित "रायपुर जिला मास्टर्स टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न हुई। सचिव विनय बैसवाड़े ने बताया कि लीग में पुरुष एकल (आयु वर्ग 40) में शैलेष डागा, पुरुष एकल (आयु वर्ग 60) में सुरेश सादीजा तथा महिला एकल (आयु वर्ग 40) में दिव्या आमदे विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ के सचिव शकील साजिद थे। मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े व मुख्य निर्णायक पीएन. मजुमदार उपस्थित थे।

दो चरणों में हुई प्रतियोगिता : प्रतियोगिता लीग पद्धति पर दो चरणों में आयोजित की गयी थी जिसमें प्रथम चरण में पुरुष एकल (आयु वर्ग 40) एवं पुरुष एकल (आयु वर्ग 60) के तीन ग्रुप में से प्रत्येक ग्रुप के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों ने दूसरे चरण के सुपर लीग में प्रवेश किया। इस अवसर पर विनय केजरीवाल, केबी. सिंह, एनआई.एस. कोच अशफाक, शिवम यादव, अनुपम बापट एवं अन्य सदस्यगण, खिलाडीगण उपस्थित थे।

नुखसा

सोकर उठने पर रूखे-बिखरे दिखते हैं बाल तो आज ही बदल लें अपनी आदतें

महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में उनके बालों का सबसे बड़ा योगदान होता है। ऐसे में हर महिला चाहती है कि उनके बाल सिल्की और शाइनी दिखें। हालांकि, कई बार ऐसा देखने को मिलता है जब बाल एक दिन पहले तक तो काफी शाइनी नजर आते हैं, लेकिन जैसे ही अगली सुबह आप सोकर उठते हैं, तो वो सिल्की और शाइनी बाल फ्रिजी और रूखे बालों में बदल जाते हैं। कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप अपने बालों की चमक को वापस पा सकते हैं और हेल्दी और मजबूत भी बना सकते हैं।

रेशम का तकिया करेगा मदद-फ्रिजी और रूखे बालों से छुटकारा पाने के लिए आप रेशम या साटन के पिलो कवर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, सूती कपड़े से बने पिलो कवर्स पर बाल ज्यादा रगड़ खाते हैं, जिसके चलते आपके बाल ज्यादा उलझते हैं और फिर रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। ऐसे में आप रेशमी या साटन के कपड़े से बने पिलो कवर्स का इस्तेमाल कर अपने बालों की चमक को बरकरार रख सकते हैं।

गीले बालों से बढ़ती है परेशानी-अक्सर ऐसा देखने को मिलता है जब महिलाएं शाम के समय बालों को वॉश करती हैं और फिर गीले बालों में ही सो जाती हैं, जिसकी वजह से बाल अगले दिन फ्रिजी दिखने लगते हैं। दरअसल, गीले बालों में डैमेज होने का खतरा ज्यादा रहता है। इन सब से अलग गीले बालों में सोने से फंगल इन्फेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि सोने से पहले आप अपने बालों को अच्छे से सूखा लें।

हेयर ड्रायर-तौलिए को कहें 'ना'-महिलाएं अपने बालों को सुखाने के लिए तौलिए या हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए तो बाल सुलझे और शाइनी नजर आते हैं, लेकिन फिर जल्द ही वो बेजान दिखने लगते हैं। एक ओर जहां हेयर ड्रायर आपके बालों को डैमेज करता है तो वहीं, तौलिए का इस्तेमाल अपके बालों की प्राकृतिक नमी को छीन लेता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप अपनी किसी भी कॉटन टी-शर्ट या एक माइक्रोफ़ाइबर तौलिए का उपयोग करें। यह न केवल आपके बालों से अतिरिक्त पानी को अवशोषित करेगा, बल्कि फ्रिजीनेस से भी बचाएगा।

खुले बाल भी बढ़ाते हैं परेशानी-ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को खोलकर सोना पसंद करती हैं, इससे भी सुबह उठने के बाद बाल फ्रिजी और रूखे दिखने लगते हैं। ऐसे में आप सोते समय हेयर रैप का इस्तेमाल करें। हेयर रैप पहनकर सोने से आपने बालों में गाठें नहीं पड़ती हैं। साथ ही इससे आपके बालों की नमी भी बची रहती है।

एक्सरसाइज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और स्ट्रेस कम होने लगता है

रोजमर्रा की जिंदगी में करेंगे ये 5 बदलाव तो हाई ब्लड प्रेशर का खतरा होने लगेगा कम

हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर ऐसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या है जो धमनियों में होने वाली दिक्कतों का कारण बनती है, खासकर इससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या जीवनशैली की आदतों के कारण घट या बढ़ सकती है। ऐसे में यहां रोजमर्रा की कुछ ऐसी आदतों और कामों का जिक्र किया जा रहा है, जिन्हें लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाकर हाई ब्लड प्रेशर होने की संभावना को कम किया जा सकता है।

एक्सरसाइज करना

रोजाना एक्सरसाइज की जाए या एक्सरसाइज को लाइफस्टाइल का हिस्सा बना लिया जाए तो शरीर फिट रहता है और कई स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का खतरा कम होने लगता है। एक्सरसाइज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और स्ट्रेस कम होने लगता है सो अलग. आप स्विमिंग, साइक्लिंग और डांसिंग जैसी एक्टिविटीज को भी अपने लाइफस्टाइल का हिस्सा बना सकते हैं। कम से कम हफ्ते में 150 मिनट एक्सरसाइज करना जरूरी होता है।

हेल्दी वेट होना

शरीर के एक्सेस वेट को कम करके भी कई स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को कम किया जा सकता है जिनमें हाइपरटेंशन की दिक्कत भी शामिल है। मोटापा हाई ब्लड प्रेशर के रिस्क फैक्टर्स में शामिल है। इसीलिए हेल्दी वेट के लिए रोजाना वॉक किया जा सकता है या खानपान में बदलाव किए जा सकते हैं।

खानपान का ख्याल रखना

अपने खानपान मे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन को शामिल करके ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है। साथ ही, डाइट में सोडियम को कम करना जरूरी है। आप पौटेशियम को खानपान में शामिल कर सकते हैं। केले, पालक और शकरकंदी पौटेशियम का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

तनाव को कम करना

क्रॉनिक स्ट्रेस हाइपरटेंशन की वजह बनता है। ऐसे में तनाव को कम करने की कोशिश की जानी चाहिए। अपने खानपान से लेकर एक्सरसाइज या वर्कआउट का ध्यान रखकर तनाव कम किया जा सकता है। कई योगासन और मेडिटेशन के अलावा बीदिंग एक्सरसाइज भी तनाव कम करने में मददगार होती है।

एल्कोहल का सेवन सीमित करना

जिन लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में एल्कोहल के सेवन की आदत है उन्हें इस आदत को तुरंत बदलने की जरूरत है। एल्कोहल का सेवन सीमित करने पर हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होने की संभावना को कई हद तक कम किया जा सकता है।

बच्चों की ग्रोथ के लिए सॉलिड फूड है जरूरी

छोटे बच्चों को अक्सर 6 महीने का होने के बाद से ही ठोस खाना देना शुरू कर दिया जाता है। कुछ दादी-नानी बच्चों 4 महीने की उम्र से ही मां के दूध के अलावा चीजें देना शुरू कर देते हैं। बच्चे के विकास के लिए ठोस खाना जरूरी है, लेकिन ये कब देना है ये जानना सबसे जरूरी है। जरूरी नहीं की आप 6 महीने पूरे होते ही बच्चे को ठोस खाना देना शुरू कर दें। कई बार बच्चे तैयार नहीं होते हैं और उन्हें लूज मोशन जैसी समस्या होने लगती है। ऐसे में बच्चों में दिख रहे इन लक्षणों को देखकर ही उन्हें ठोस खाना खिलाना शुरू करें।

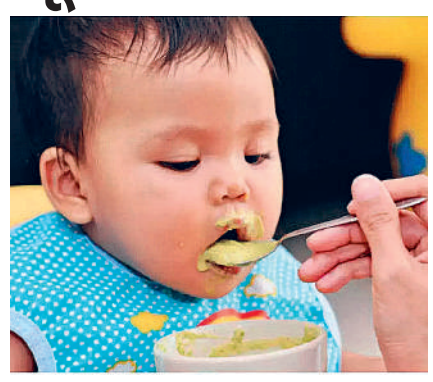

जब बच्चा सीख जाए बैठना

अगर बच्चा 6 महीने पूरे होने के बाद भी ठीक से नहीं बैठता है तो यह समय है कि आपको कुछ दिन रुकना चाहिए। ध्यान दें कि जब बच्चा कुर्सी पर सीधा बैठने लगे तो समझ लें कि वह ठोस खाना खाने को तैयार है। खाना खाकर बच्चे की सेहत ना बिगड़े इसके लिए ये ध्यान देना जरूरी है कि बच्चा सही से बैठने लगे।

सिर पर नियंत्रण

कुछ बच्चों का सिर स्थिर नहीं हो पाता है। अगर बच्चे का सिर स्थिर नहीं हो रहा है तो बच्चे को घुटन हो सकती है। जब सिर स्थिर होगा तो उन्हें खाना ठीक से निगलने में मदद मिलती है।

जब चीजों को चबाए बच्चा

अगर आपका बच्चा खिलौनों या दूसरी चीजों को मुंह में लेता है और चबाता है, तो यह संकेत दे सकता है कि वह खाना खाने के लिए तैयार है। आप बच्चों को चबाने के लिए खीरा, गाजर दे सकते हैं। ऐसा करने से बच्चों को टीथिंग में भी मदद मिलती है।

इस तरह घर पर बनाए फ्रेंच फ्राइस बच्चों को मिलेगी खुशी

बच्चों के लिए उनकी पसंदीदा चीजें बनाई जाती हैं तो उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखने को मिलती है। यदि आपके मन में भी इन गर्मी के दिनों में बच्चों के लिए कुछ अलग हटकर बनाने का मन कर रहा है तो हम आपको बताने जा रहे हैं बाजार जैसे फ्रेंच फ्राइस बनाने का तरीका। यह आपको बाजार मे मिलने वाले फ्रेंच फ्राइस से ज्यादा सेहतमंद रहेगा साथ ही यह बाजार से सस्ता भी पड़ेगा। इसे बनाने में भी मुश्किल से 10 मिनट का समय लगेगा। आप बच्चों को शाम के वक्त चाय के साथ खाने को दे सकती हैं। स्नैक्स के रूप में फ्रेंच फ्राइस एक बेहतरीन ऑप्शन बनता है।

आवश्यक सामग्री

250 ग्राम आलू
स्वादानुसार नमक
स्वादानुसार चाट मसाला
तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

आलू छीलकर लंबाई में फ्रेंच फ्राइज की शेप में काट लें और पानी में डालते जाएं। इससे आलू काले नहीं पड़ेंगे। 5 मिनट तक कटे आलू पानी में रहने दें। अब एक बर्तन में पानी डालकर उसे गैस पर रख दें, पानी जब उबलने लगे तो उसमें नमक और आलू के टुकड़े डाल दें। अच्छा उबाल आने के बाद 5 मिनट तक ढक कर रख दें। फिर आलू के टुकड़े पानी से निकाल लें और कपड़े से हल्के हाथ से पोंछकर सुखा लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें आलू के टुकड़े डालकर सुनहरे होने तक फ्राई करें और किचन पेपर पर निकाल लें। लीजिए तैयार हैं गर्मागर्म फ्रेंच फ्राइज। सॉस और चाट मसाला के साथ सर्व करें।

शनिवार को घर में नही लानी चाहिए ये दस चीजें

यूं तो किसी भी वस्तु के उपयोग या क्रय करने का समय उसकी आवश्यकता पर ही निर्भर करता है, परंतु ज्योतिष शास्त्र में भी इसके कुछ नियम बताए गए हैं। इस कड़ी में जानिए ऐसी कौन सी वस्तुएं हैं जो शनिवार को घर नहीं लानी चाहिए या इस दिन इन्हें नहीं खरीदना चाहिए।

लोहे का सामान-भारतीय समाज में यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है कि शनिवार को लोहे का बना सामान नहीं खरीदना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि शनिवार को लोहे का सामान क्रय करने से शनि देव कुपित होते हैं। इस दिन लोहे से बनी चीजों के दान का विशेष महत्व है। लोहे का सामान दान करने से शनि देव की कोप दृष्टि निर्मल होती है और घाटे में चल रहा व्यापार मुनाफा देने लगता है। इसके अतिरिक्त शनि देव यंत्रों से होने वाली दुर्घटना से भी बचाते हैं।

तेल खरीदने से घर आता है रोग - इस दिन तेल खरीदने से भी बचना चाहिए। हालांकि तेल का दान किया जा सकता है। काले श्वान को सरसों के तेल से बना हलुआ खिलाने से शनि की दशा टलती है। ज्योतिष के अनुसार, शनिवार को सरसों या किसी भी पदार्थ का तेल खरीदने से वह रोगकारी होता है।

नमक लाने से आता है कर्ज-नमक हमारे भोजन का सबसे अहम हिस्सा है। अगर नमक खरीदना है तो बेहतर होगा शनिवार के बजाय किसी और दिन ही खरीदें। शनिवार को नमक खरीदने से यह उस घर पर कर्ज लाता है। साथ ही रोगकारी भी होता है।

कैंची लाती है रिश्तों में तनाव : कैंची ऐसी चीज है जो कपड़े, कागज आदि काटने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। पुराने समय से ही कपड़े के कारोबारी, टेलर आदि शनिवार को नई कैंची नहीं खरीदते। इसके पीछे यह मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई कैंची रिश्तों में तनाव लाती है। इसलिए अगर आपको कैंची खरीदनी है तो किसी अन्य दिन खरीदें।

काले तिल बनते हैं बाधा : सर्दियों में काले तिल शरीर को पुष्ट करते हैं। ये शीत से मुकाबला करने के लिए शरीर की गर्मी को बरकरार रखते हैं। पूजन में भी इनका उपयोग किया जाता है। शनि देव की दशा टालने के लिए काले तिल का दान और पीपल के वृक्ष पर भी काले तिल चढ़ाने का नियम है, लेकिन शनिवार को काले तिल कभी न खरीदें। कहा जाता है कि इस दिन काले तिल खरीदने से कार्यों में बाधा आती है।

काले जूते लाते हैं असफलता : शरीर के लिए जितने जरूरी वस्त्र हैं, उतने ही जूते भी। खासतौर से काले रंग के जूते पसंद करने वालों की तादाद आज भी काफी है। अगर आपको काले रंग के जूते खरीदने हैं तो शनिवार को न खरीदें। मान्यता है कि शनिवार को खरीदे गए काले जूते पहनने वाले को कार्य में असफलता दिलाते हैं।

परिवार पर कष्ट : रसोई के लिए ईंधन, माचिस, केरोसीन आदि ज्वलनशील पदार्थ आवश्यक माने जाते हैं। भारतीय संस्कृति में अग्नि को देवता माना गया है और ईंधन की पवित्रता पर विशेष जोर दिया गया है लेकिन शनिवार को ईंधन खरीदना वर्जित है। कहा जाता है कि शनिवार को घर लाया गया ईंधन परिवार को कष्ट पहुंचाता है।

गर्मियों में बच्चों और बुजुर्गों को लू से बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, रखें इन बातों का ध्यान

इस साल भीषण गर्मी पड़ रही है। धूप और तेज गर्मी का असर सबसे ज्यादा छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है। इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से इन लोगों को लू लगने का खतरा ज्यादा बना रहता है। जिसकी वजह से उन्हें दस्त, उल्टी, गैस और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। अगर आपके घर पर भी छोटे बच्चे और बुजुर्ग व्यक्ति हैं तो उनकी सेहत बनाए रखने के लिए गर्मियों में ऐसे रखें उनका ख्याल।

बॉडी को रखें हाइड्रेटेड-

गर्मी में लू चलने की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में बॉडी को हाइड्रेट बनाए रखने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी, नींबू पानी और नारियल पानी का सेवन करते रहें। ध्यान रखें, गर्मियों में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी रोजाना पिएं।

धूप में निकलने से बचें-

लू से बचने के लिए जरूरी है कि आप घर से निकलते समय शरीर को अच्छी तरह से ढक कर ही बाहर निकलें। कोशिश करें, दोपहर 12 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक बाहर निकलने से परहेज करें।

शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें

डाक्टरों के अनुसार तेज गर्मी और लू से छोटे बच्चों और बुजुर्गों का बचाव करने के लिए हर हालत में उनके शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें। इसके लिए बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाएं। अगर प्यास न भी लगी हो तो भी थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें।

कुछ खाकर ही घर से निकलें-गर्मियों में कभी भी खाली पेट बिना कुछ खाए घर से बाहर न निकलें। ऐसा करने से तेज धूप में आपको चक्कर आ सकते हैं और आप बेहोश होने के साथ बीमार भी पड़ सकते हैं।

हल्के रंग के ढीले कपड़े-

गर्मी से बचाव करने के लिए हमेशा हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की कोशिश करें। हल्के रंग के कपड़े पहनने से व्यक्ति को गर्मी कम लगती है। गर्मी में सूती कपड़े पहनना सेहत के लिहाज से ज्यादा फायदेमंद रहता है। इस तरह के फ्रैब्रिक के कपड़े पहनने से हवा लगती है और पसीना कम आता है।

इन लक्षणों को पहचानें-

व्यक्ति को लू लगने पर चक्कर आना, घबराहट, तेज सिरदर्द और सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। अगर आपको ऐसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत किसी पास के डॉक्टर को दिखाकर सलाह लें। ये लक्षण लू लगने के संकेत हो सकते हैं।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

अक्षय का खुलासा : बेटा आरव बॉलीवुड में नहीं, फैशन में बनाएगा कॅरियर

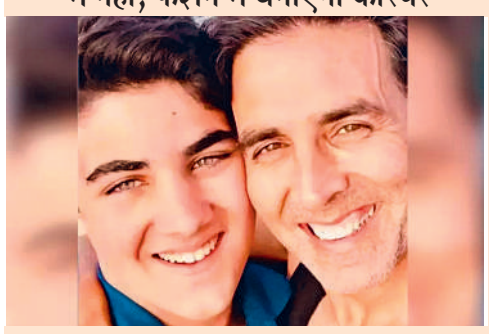

मुंबई। बॉलीवुड की दुनिया में अपने अभिनय का जलवा दिखाकर देश-दुनिया में पहचान बनाने वाले अक्षय कुमार इंडस्ट्री के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाते हैं। अक्षय ने ट्विंकल से साल 2001 में शादी की थी। दोनों के घर शादी के एक साल बाद 2002 में आरव का जन्म हुआ था। उनकी एक बेटी भी है, जिसका नाम निताारा है। उसका जन्म साल 2012 में हुआ था। क्रिकेटर शिखर धवन के टॉक शो 'धवन करेंगे' पर अक्षय ने खुलासा किया कि उनका बेटा आरव फिल्मों का हिस्सा नहीं बनना चाहते और फैशन में अपना करियर बनाना चाहते हैं। अक्षय बोले, हमने कभी भी आरव को कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं किया। उसकी रुचि फैशन में है। वह सिनेमा का हिस्सा नहीं बनना चाहता। उसने मेरे पास आकर कहा था कि मैं फिल्में नहीं करना चाहता। मैंने कहा कि यह तुम्हारी जिंदगी है, जो करना चाहते हो करो। उन्होंने कहा, आरव लंदन में पढ़ रहा है। बॉलीवुड स्टारकिड्स को महंगे कपड़े और गाड़ियों का शौक होना कोई नई बात नहीं है, लेकिन अक्षय के बेटे आरव को किसी भी चीज का शौक नहीं है। खिलाड़ी कुमार ने खुलासा किया कि उनका बेटा जमीन से जुड़े रहना पसंद करता है। वह घर के सारे काम खुद करता है और महंगे कपड़ों पर पैसा खर्च करने से भी बचता है। अक्षय के अनुसार, आरव बहुत ही सादगी से अपनी जिंदगी जीना पसंद करता है।

टॉलीवुड

साउथ की पहली फिल्म तमिल भाषा में बनी थी कीचक वधम

मुंबई। बॉलीवुड की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' साल 1912 में आई। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि बॉलीवुड का इतिहास काफी पुराना है लेकिन आज साउथ फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास पर नजर डालते हैं। जानते हैं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री की नींव कब पड़ी और कौन सी पहली फिल्म थी जिसने इस इंडस्ट्री का आगाज किया। साथ ही, ये भी जानेंगे कि साउथ में किस भाषा में पहली फिल्म बनी। क्या ये तमिल या तेलुगु थी या फिर कन्नड़ या मलयालम? वैसे ही तमिल सिनेमा या यूं कहें कि साउथ सिनेमा के पितामह नटराज मुदलियार थे। मुदलियार एक ऑटोमोबाइल पार्ट्स डीलर थे। उनकी बनाई फिल्म 'कीचक वधम' में कोई साउंडट्रैक नहीं था। इसलिए, जैसा कि उस जमाने में किया जाता था, बोले गए शब्दों को कार्ड के तौर पर दिखाया गया था और ये कार्ड तमिल भाषा में लिखे गए थे। जहां हिंदी सिनेमा में पहली मूक फिल्म 1912 में बनी थी। वहीं, साउथ में पहली फिल्म इसके ठीक 5 साल बाद 1916 में बनी जिसका नाम 'कीचक वधम' था। इस फिल्म को तब मद्रास (चेन्नई) में बनाया गया था। फिल्म तमिल में बनी थी। हालांकि, ये एक मूक फिल्म थी यानी फिल्म में कोई आवाज नहीं थी, लेकिन इस फिल्म में तमिल कलाकारों ने काम किया था। इसके अलावा, फिल्म में आवाज की जगह जो भी टेक्स्ट लिखकर आ रहे थे, वो भी तमिल में थे। इस फिल्म के बाद ही तमिल सिनेमा का उदय हुआ। साफ है कि कन्नड़, मलयालम और तेलुगु से पहले तमिल फिल्में बननी शुरू हो गई थीं।

हिमाचल

कंगना, यामी, प्रीति, अनुपम सहित हिमाचल के कलाकार जो बॉलीवुड में छाए

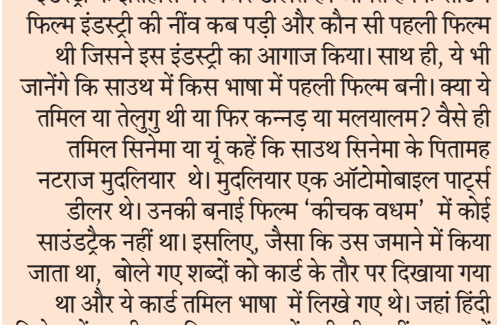

शिमला। देश और दुनिया में हिमाचल के लोगों का डंका बजता रहता है। बॉलीवुड में भी हिमाचल के कलाकारों ने खूब नाम कमाया है। देश को हिमाचल ने बड़े नामी कलाकार दिए हैं। लिस्ट में पहला नाम कंगना रनौत का है। कंगना हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के भांबला की रहने वाली हैं। हालांकि, अब मुंबई और मनाली में भी इनका घर हैं। दूसरा नाम प्रीति जिंटा का है। वह शिमला जिले की रहने वाली हैं। अब वह फिल्मों से दूर हैं और अमेरिका में रहती हैं। इसी तरह शिमला शहर से निकले एक्टर अनुपम खेर बॉलीवुड के चर्चित एक्टर हैं। उनके पिता शिमला में रहते थे। बॉलीवुड एक्टर यामी गौतम हिमाचल के बिलासपुर जिले से हैं। यामी अक्सर हिमाचल आती रहती हैं। धर्मशाला में उनका ननिहाल है। सिंगर मोहित चौहान का नाम कोई कैसे भूल सकता है भला। मोहित चौहान मूल रूप से सिरमौर जिले से हैं। उन्होंने बॉलीवुड में कई सुपरहिट गाने गाए हैं।

हमने नाओमी कैंपबेल, जेनिफर लोपेज, शालोम हार्लो और अन्य मशहूर हस्तियों को रेड कार्पेट पर अपने नए लुक के साथ आते देखा है और अपने शानदार आउटफिट्स से फैशन वर्ल्ड में तहलका मचा दिया है, जो फैशन स्टेटमेंट बन गए। बेल बॉटम से लेकर ग्लैमरस स्लिप ड्रेस तक, 90 के दशक के कई ऐसे फैशन ट्रेंड्स हैं, जो अब बाजार में एक बार फिर वापसी करते नजर आ रहे हैं। बेल बॉटम जींस : बेल बॉटम जींस और पैंट 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय चीजों में से एक है।

हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए रखें नाखूनों का खास ख्याल

हमारे नाखून, हाथों की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। जिन्हें बालों और स्किन की तरह ही केयर की जरूरत होती है। इसके देखभाल में स्किन और बालों जितनी मेहनत नहीं करनी पड़ती बल्कि, आप इनकी देखभाल के साथ ही आप अपने नेल्स की केयर भी आसानी से कर सकती हैं।

नेल्स को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए कम से कम दो हफ्ते में जरूर काटना चाहिए। लेकिन एक बात का जरूर खयाल रखें, इसके क्यूटिकल्स को काटने से बचें। क्योंकि, ये नाखून के बेस एरिया को सील करने में सहायक होते हैं। वैसे भी गर्मियों में हमारे नेल्स को स्पेशल केयर की जरूरत होती है, ताकि वे मजबूत और खूबसूरत बने रहें। तो आइए जानते हैं गर्मियों के लिए नेल केयर टिप्स।

हाथ साफ रखें

नेल की सफाई के लिए सबसे पहले अपने हाथों की सफाई करें। इसके बाद नेल्स की सफाई में एसीटोन फ्री, नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें। यदि आपके पास यह नहीं है, तो आप टूथब्रश पर साबुन लगाकर इससे नेल्स की सफाई करें।

नेल्स का हाइड्रेशन का खयाल रखें

इसके बाद रोज अपने नाखूनों पर तेल या मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे गर्मी की वजह से शुष्क पड़े नाखूनों में नमी बरकरार रहेगी। साथ ही, ऐसा करने से वे बेजान होकर टूटेंगे भी नहीं और इनका लचीलापन बना रहेगा।

धूप से बचाएं

नाखुनों की धूप से सुरक्षा, स्किन और बालों की तरह ही करनी चाहिए। इसके लिए एसजीएफयुक्त टॉपकोट या यूवी सुरक्षा वाली नेल पॉलिश लगाएं। हाथों की रक्षा के लिए दस्ताने पहनना भी अच्छा ऑप्शन है।

सही टूल्स का इस्तेमाल करें

नेल्स केयर करने में सही टूल्स का इस्तेमाल करें। इसके लिए मेटल क्यूटिकल पुशर्स के उपयोग से बचें। इनसे इन्फेक्शन होने का डर रहता है। इसकी जगह पर आप रबर या लकड़ी के क्यूटिकल पुशर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, इन बातों का भी खयाल रखें-

हेल्दी डाइट प्लान को फॉलो करें

शरीर को बाहरी हानि से बचाने के लिए अंदरूनी मजबूती देना सबसे ज्यादा जरूरी है। इसलिए कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन और खनिज पोषक तत्वों से भरपूर हेल्दी डाइट प्लान को फॉलो करें। इसके अलावा, खूब पानी पीएं, ताकि आपका शरीर हाइड्रेटेड रहे।

वेडिंग फंक्शन में पहनेंगी अनारकली कुर्ता तो मुड़-मुड़कर देखेंगे लोग

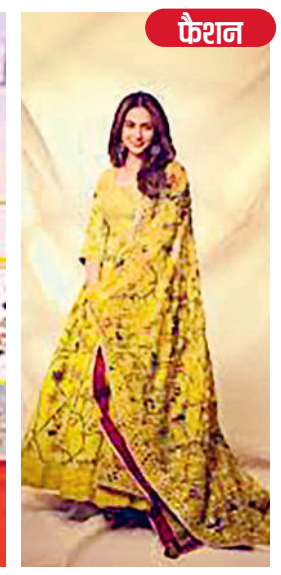

एथनिक कपड़ों का क्रेज कभी खत्म नहीं होता। खासतौर पर बात जब वेडिंग फंक्शन की हो तो इसमें शामिल होने के लिए लड़कियां साड़ी या लहंगा ही पसंद करती हैं लेकिन अगर आप साड़ी और लहंगा दोनों को पहनकर कंफर्टेबल महसूस नहीं करतीं और रेगुलर कुर्ते से हटकर ट्राई करना चाहती हैं तो अनारकली कुर्ता पहनें। इन दिनों बीटाउन एक्ट्रेसेज भी एक के बाद एक खूबसूरत अनारकली कुर्ते में नजर आ रही हैं। जिसे देख आप जरूर स्टाइल टिप्स ले सकती हैं।

रश्मिका मंदाना का ग्रीन अनारकली : रश्मिका मंदाना बीते दिनों फिल्म के प्रीमियर पर अनारकली कुर्ता पहनकर पहुंची। ग्रीन कलर के लांग अनारकली कुर्ते की जूल नेकलाइन और फुल स्लीव के साथ हैवी एंब्रायडरी इसे बिल्कुल परफेक्ट लुक दे रही थी। साथ में मैचिंग दुपट्टा और मिनिमम मेकअप खूबसूरत लग रहा था। लड़कियां चाहें तो इस डिजाइन के अनारकली कुर्ते के साथ हैवी लांग ईयररिंग्स को पेयर कर अट्रैक्टिव लुक पा सकती हैं।

करिश्मा कपूर का फ्लेयर अनारकली कुर्ता : करिश्मा कपूर का ग्रीन फ्लेयर अनारकली कुर्ता भी काफी इंट्रेस्टिंग है। मैचिंग ग्रीन स्टोन और गोल्ड ज्वैलरी के साथ मैच कर पहने इस कुर्ते की डिजाइन उन लड़कियों के लिए भी परफेक्ट है जो पियर शेप बॉडी की हैं। फुल स्लीव और डीप नेकलाइन की वजह से इसे प्लस साइज लड़कियां भी पहन सकती हैं।

रकुल प्रीत सिंह का फ्लोरल प्रिंट अनारकली : अगर आप सगाई या मेहंदी जैसे फंक्शन के लिए लाइट वेट अनारकली कुर्ता पहनना चाहती हैं तो रकुल प्रीत सिंह की तरह प्रिंटेड लांग अनारकली कुर्ते को पहनें।

सिंपल चूड़ियों की सेलिब्रिटी स्टाइल में करें सेटिंग, मिलेगी लोगों की तारीफ

महिलाओं का श्रृंगार चूड़ियों के बिना अधूरा है। एक अच्छी और फैंसी लुक वाली चूड़ी आपके सिंपल-सोबर लुक में चार-चांद लगा देती है। बाजार में भी आपको तरह-तरह के पैटर्न और डिजाइन में चूड़ियां मिल जाएंगी। मगर सबसे ज्यादा मुश्किल होता है कि चूड़ियों की मैचिंग या सेटिंग को नया अंदाज देना। आज हम आपको कुछ सेलिब्रिटीज द्वारा की गई चूड़ियों की सेटिंग स्टाइल दिखाएंगे, जिन्हें देख कर आप भी उन्हेंज रीक्रिएट कर सकती हैं।

दो रंग की चूड़ियों को मिक्स - मैच करें-

आजकल बाजार में आपको हर रंग की चूड़ियां मिल जाएंगी। अगर आपके आउटफिर में 1 से अधिक रंग हैं तो 2 सबसे अधिक नजर आने वाले रंगों की चूड़ियों को आप मिक्स -मैच करके पहन सकती हैं। मिक्स-मैच करने के लिए आप सिंपल और एक जैसे पैटर्न की चूड़ियां खरीदे और उन्हेंह बंच में एक हाथ में पहन लें।

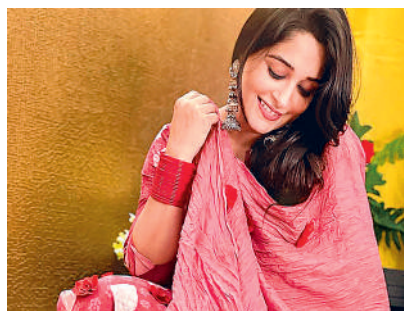

हरे रंग की चूड़ियों को इस तरह करें सेट

हरे रंग की चूड़ियों का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता है और आप इन्हेंक किसी भी ट्रेडिशनल आउटफिट और किसी भी रंग के साथ पहन सकती हैं। खासतौर पर किसी त्यो हार या फिर शादी के फंक्शन में आप हरे रंग की चूड़ियों को स्टाइलिश अंदाज में पहनना चाहती हैं, तो आपको गोल्ड न मेटल या कांच की चूड़ियों के साथ उन्हें सेट करके पहनना चाहिए। आप चाहें तो सोने की चूड़ियों के साथ भी हरे रंग की कांच की चूड़ियां पहन सकती हैं।

गर्मियों में है शादी और बन रहीं हैं दुल्हन तो ब्राइडल मेकअप के साथ ना करें ये गलती

शादी का दिन हर लड़की के लिए खास होता है और शादी की वो फोटोज उससे भी ज्यादा स्पेशल। गर्मियों में अगर आप शादी करने वाली हैं तो अपने मेकअप को लेकर कुछ सावधानियां जरूरी हैं। भले ही आपने प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट का चुनाव किया हो लेकिन अपने मेकअप को लेकर इन बातों का ध्यान पूरी रात मेकअप को फ्रेश बनाए रखेगा और पसीने, थकान की वजह से चेहरे पर डलनेस नहीं नजर आएगी।

प्राइमर जरूर लगाएं : भले ही आपने प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट को चुना है, लेकिन ये पूछने में जरा भी हिचक नहीं होनी चाहिए कि मेकअप के पहले वो प्राइमर का इस्तेमाल बेस के लिए कर रही हैं या नहीं। प्राइमर की मदद से गर्मियों

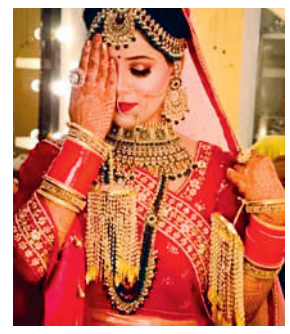

में हो रहे पसीने और मेल्ट होते मेकअप को रोकने के लिए प्राइमर बेहद जरूरी है। साथ ही प्राइमर स्किन पर दिख रही फाइन लाइंस को भी हल्का करता है। जिससे स्किन फ्लालेस दिखती है।

ट्रांसफर प्रूफ मेकअप को चुनें: प्री वेडिंग से लेकर पोस्ट वेडिंग में रेडी होने के लिए दुल्हन को ट्रांसफर प्रूफ मेकअप करना चाहिए। ऐसे प्रोडक्ट जो स्मजप्रूफ हों और आपके चेहरे पर पसीना होने के बाद भी टिके रहें। 24 घंटे प्रोटेक्शन वाले मेकअप बेस को ही चुनें।

सेटिंग स्प्रे को ना भूलें: मेकअप के आखिरी में चेहरे पर मेकअप सेटिंग स्प्रे करना ना भूलें। ये आपके चेहरे पर आई मेकअप से लेकर लिपस्टिक और बेस को बहने से बचाएगा।

आइस वाटर का इस्तेमाल : ब्राइडल मेकअप शुरू करने से पहले इस फेमस मेकअप हैक को ट्राई करना ना भूलें। किसी बड़े बाउल में बर्फ डालें और पानी डालकर इसे डुबो लें। जिससे पानी बिल्कुल बर्फ के तापमान जितना ठंडा हो जाए। अब इसमे चेहरे को 15 सेकेंड के लिए डुबोएं।

कार्नर न्यूज

युवतियां गर्मियों में घर पर पाजामा, शॉर्टस और टी-शर्टस पहनना पसंद करती हैं

गर्मी में राहत देते हैं ये कपड़े, फैशनेबल दिखने के लिए वॉर्डरोब में करें शामिल

गर्मियां अपने पूरे शबाब पर है। ये मौसम ही कुछ ऐसा है कि ज्यादा तामझाम वाले कपड़े काटने को दौड़ते हैं और मन करता है कि ऐसे हल्के-फुल्के कपड़े पहने जाएं जो गर्मी में भी ठंडक का एहसास कराते रहें। इसलिए ज्यादातर महिलाएं और युवतियां गर्मियों में घर पर पाजामा, शॉर्टस और टी-शर्टस पहनना पसंद करती हैं। घर से बाहर निकलते समय फिर वही उलझन सामने खड़ी हो जाती है कि हर बार नया क्या पहना जाए। हालांकि जींस, टी-शर्ट और समर ड्रेसेज गर्मियों में महिलाओं के कुछ पसंदीदा विकल्प हैं, लेकिन हर मौके पर इन्हें नहीं पहना जा सकता है।

हल्के काम वाली कुर्ती

गर्मियों के मौसम में हल्के मिरर वर्क या रेशम की कढ़ाई वाली कुर्तियों का कोई मुकाबला नहीं है। कॉटन और शिफॉन जैसे हल्के फैब्रिक से बनी कुर्तियां क्रॉप पैंट से लेकर प्लाजो तक हर तरह के लोअर के साथ सुंदर लगती हैं।

खूबसूरत लगेगा कफ्तान

ढीले-ढाले चोगेनुमा कफ्तान चिलचिलाती गर्मी के मौसम को भी बेहद हसीन और खुशगवार बना सकते हैं। इनकी खास बात यह है कि हर फिगर की महिलाएं इन्हें बड़े आराम से पहन सकती हैं। फिर चाहे किसी गेट-टु-गेदर में जाना हो या दोस्तों के संग शॉपिंग करने जाना हो, काफ्तान आपके लुक को बेहद स्टाइलिश बना देगा।

पटियाला सलवार का टशन

एथनिक वियर का जिक्र बिना पटियाला सलवार सूट के पूरा हो ही नहीं सकता है। सलवार सूट पहनने वाली महिलाओं के वॉर्डरोब में कम से कम एक पटियाला स्टाइल सलवार सूट तो होता ही है। सामान्य सलवार से कहीं ज्यादा खुली और चुन्नटों वाली पटियाला सलवार पहनने में बेहद आरामदायक होती है।

साड़ी में भी लगेंगी खूबसूरत

कुछ महिलाओं को साड़ी पहनना तो बहुत भाता है, लेकिन गर्मियों का बढ़ता तापमान उनके हौसले पस्त कर देता है। हर मौसम में साड़ी पहनने वाली महिलाएं बताती हैं कि गर्मियों के मौसम में साड़ी विशेषरूप से आरामदायक लगती है।

कैसी हो ज्वेलरी?

गर्मी के मौसम में तामझाम वाली ज्वेलरी पहनकर परेशान होने की बजाय बेहतर होगा कि हल्की ज्वेलरी ही पहनी जाए। जैसे ऑफिस जाते समय कोई पतली सी चेन और कानों में हल्के ईयर रिंग्स काफी रहेंगे। वहीं, किसी समारोह आदि में जाते समय स्टेटमेंट ज्वेलरी जैसे स्टेटमेंट नेकलेस या ईयर रिंग्स आदि आपके पार्टी लुक को पूरा करने में मदद करेंगे।

कॉटन और लिनन से दोस्ती

गर्मियों के मौसम में ऐसा फैब्रिक चुनें, जो पसीना जल्दी सोख ले और ठंडक का एहसास कराए। इस लिहाज से चिलचिलाती गर्मियों में सूती, लिनन, शिफॉन और जॉर्जेट जैसे फैब्रिक प्रभावी साबित होते हैं। यह सभी फैब्रिक बेहद हल्के होते हैं इसलिए हवा शरीर तक पहुंचती है और गर्मी का एहसास कम होता है।